

Discover your divinity with us

A/C Showroom

ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र

उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग

0788-4030383, 3293199

भगतान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन



रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में

सुप्रसिद्ध

ज्योतिषाचार्य

मौ दुर्गा उपरक मां दयामातृजी, मां कामाख्या, मां भद्रकाली, मां श्रारवती की असीम कृपा रायना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु

पं. एम.पी. शर्मा/

मो. 8109922001

फीस 251/- मात्र

पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय

सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 241 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये दुर्ग, रविवार 29 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बवाना में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मौके पर दमकल की 22 गाड़ियां

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बाहरी उत्तरी इलाके बवाना के सेक्टर 4 स्थित एक फैक्ट्री में तड़के भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग ने तत्परता दिखाते हुए 22 फायर टेंडर मौके पर भेजे। करीब 110 दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे रहे। जानकारी के मुताबिक अभी भी आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया गया है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग की सूचना सुबह 4:15 बजे कंट्रोल रूम को मिली थी, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई की गई। हालांकि आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, लेकिन पूरी तरह बुझाने में अभी समय लग सकता है। गनीमत रही कि इस हादसे में अब तक किसी के घायल होने या हाहत होने की खबर नहीं है। आग के कारण आसमान में काले धुएं का गुबार फैल गया, जिसकी तीखी और विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

गैंगस्टर भगवानपुरिया की मां और बड़ी गाई की गोलियां मारकर हत्या

गुरदासपुर। पंजाब के अपराध जगत में एक बार फिर खूनी गैंगवार का खौफनाक चेहरा सामने आया है। गुरदासपुर जिले के बटाला में कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां हरजीत कौर (52) और उसके बॉडीगार्ड करणवीर सिंह (29) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज वारदात गुरुवार देर रात को हुई, जब दोनों कार में कहीं जा रहे थे। बाइक सवार हमलावरों ने अचानक उनकी कार पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। करणवीर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हरजीत कौर को छह गोलियां लगीं। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे पुलिस ने जांच में शामिल कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में हमले का टारगेट करणवीर सिंह था, जो कथित रूप से गैंगस्टर जग्गू के अवैध कार्यों को संभालता था। वह न केवल जग्गू के हथियारों और पैसों की देखरेख करता था, बल्कि गिराह के कई अहम कार्यों में शामिल भी था।

पीएम मोदी आईएसएस पर गए शुभांशु से बोले

आपकी यात्रा नएयुग का शुभारंभ, देश की भावनाएं आपके साथ

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को रूफ कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बात की, जो इन दिनों नासा के एक्सओम 4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की यात्रा पर हैं। शुभांशु शुक्ला बुधवार को ऐतिहासिक यात्रा पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए, जो 41 साल के अंतराल के बाद भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने रूफ कैप्टन शुभांशु से कहा, आप आज मातृभूमि से, भारत भूमि से सबसे दूर हैं, लेकिन भारतवासियों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभ आरंभ भी

है। इस समय बात हम दोनों कर रहे हैं, लेकिन मेरे साथ 140 भारतवासियों की भावनाएं भी हैं। मेरी आवाज में सभी भारतीयों का उत्साह और उमंग शामिल है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, अंतरिक्ष में भारत का परचम लहराने के लिए मैं आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। मैं ज्यादा समय नहीं ले रहा हूँ, सबसे पहले तो ये बताइए कि वहां सब कुशल मंगल है, आपकी तबीयत ठीक है? जवाब में रूफ कैप्टन शुभांशु ने कहा, 'जो प्रधानमंत्री जी, आपका और 140 करोड़ देशवासियों की शुभकामनाएं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यहां बिल्कुल ठीक हूँ, सुरक्षित हूँ, आप सबके हैं। आशीर्वाद और प्यार की वजह से। बहुत अच्छा लग रहा है। यह बहुत नया अनुभव



है। कहीं न कहीं बहुत सारी चीजें ऐसी हो रही हैं, जो दर्शाती हैं कि मैं और मेरे जैसे लोग देश में इस दिशा में जा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, ये जो मेरी यात्रा है, ये पृथ्वी से ऑर्बिट की 400 किलोमीटर की छोटी सी यात्रा है, ये सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि मेरे देश की भी यात्रा है। रूफ



कैप्टन शुभांशु ने आगे कहा, मैं जब छोटा था। मैं कभी सोच नहीं पाया कि मैं अंतरिक्ष यात्री बन पाऊंगा। लेकिन मुझे लगता है कि आपके नेतृत्व में आज का भारत ये मौका देता है और उन सपनों को भी साकार करने का मौका देता है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैं बहुत गर्व

महसूस कर रहा हूँ कि मैं यहां अपने देश का प्रतिनिधित्व कर पा रहा हूँ। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा, 'शुभ, आप दूर अंतरिक्ष में हैं, जहां गुरुत्वाकर्षण बल न के बराबर है। पर हर भारतीय देख रहा है कि आप कितने डाउन टू अर्थ हैं। आप जो गाजर का हलवा ले गए, क्या उसे अपने साथियों को खिलाया?' रूफ कैप्टन शुभांशु ने जवाब में कहा, 'जी प्रधानमंत्री जी, ये कुछ चीजें मैं अपने देश की खाने की लेकर आया था, जैसे गाजर का हलवा, मूंगदाल का हलवा और आमरस। मैं चाहता था कि ये बाकी देशों से मेरे साथी हैं, वो भी इसका स्वाद लें। वो भी भारत की समृद्ध विरासत का अनुभव करें। हम सभी ने बैठकर साथ में इसका स्वाद लिया। सबको बहुत पसंद आया।

पीएम से बोले शुभांशु, अंतरिक्ष से 16 बार धरती की परिक्रमा, 28 हजार किमी प्रतिघंटे की रफ्तार..

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से पीएम मोदी ने बातचीत की है। इस दौरान शुभांशु शुक्ला ने प्रधानमंत्री मोदी को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र यानी आईएसएस पर अपने अनुभवों को साझा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान रूफ कैप्टन शुभांशु से कहा, आप आज मातृभूमि से, भारत भूमि से सबसे दूर हैं, लेकिन भारतवासियों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभ आरंभ भी है। इस समय बात हम दोनों कर रहे हैं, लेकिन मेरे साथ 140 भारतवासियों की भावनाएं भी हैं। मेरी आवाज में सभी भारतीयों का उत्साह और उमंग शामिल है। इस दौरान रूफ कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा, 'प्रधानमंत्री जी, आपकी और 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई थी अहम भूमिका

आईपीएस अधिकारी पराग जैन होंगे नए राँ प्रमुख.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र ने पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी पराग जैन को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे। रवि सिन्हा का मौजूदा कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। पराग जैन का कार्यकाल दो साल होगा। वे 1 जुलाई 2025 तक के निश्चित कार्यकाल के लिए यह पदभार ग्रहण करेंगे। पराग जैन वर्तमान में एक्विशन रिसर्च सेंटर का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और आतंकी शिविरों



के ठिकानों के बारे में खुफिया जानकारी एकत्र करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। खुफिया हलकों में 'सुपर जासूस' के तौर पर जाने जाने वाले पराग जैन मानव खुफिया को तकनीकी खुफिया (इंश्रुष्ट इंटेलिजेंस) के साथ प्रभावी ढंग

से संयोजित करने के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह खासियत कई अहम ऑपरेशनों में अहम रही है। पंजाब में जब आतंकवादियों ने दहशत मचा रखी थी, पराग जैन ने तब भटिंडा, मानसा, होशियारपुर में ऑपरेशनल भूमिका निभाई। इससे पहले वे चंडीगढ़ के एसएसपी और लुधियाना के डीआईजी रह चुके हैं। उन्होंने राँ में पाकिस्तान डेस्क संभाली है। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाए जाने और ऑपरेशन बालाकोट के दौरान जम्मू-कश्मीर में भी काम किया है। पराग जैन काफ़ी विनम्र अधिकारी कहे जाते हैं।

भाजपा ने मांगा ममता बनर्जी का इस्तीफा

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने बनाई चार सदस्यीय जांच समिति..

नई दिल्ली/ एजेंसी

कोलकता रेप केस मामले को लेकर सियासत तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा लगातार ममता बनर्जी की सरकार पर हमलावर है। वहीं, भाजपा ने अपराध स्थल का दौरा करने, जांच करने और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति के सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी और सांसद बिप्लव देव और मनन मिश्रा हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि जिस राज्य



में महिला मुख्यमंत्री हो, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, लेकिन इतनी असंवेदनशीलता और कसरता क्यों है? पीड़िता ने खुद बयान जारी किया है। अगर इसे ध्यान से पढ़ें तो

एक बात साफ हो जाती है कि गैंगरेप का ये पूरा दुष्प्रक्र कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित है। ये राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रेरित एक क्रूर कृत्य है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूँ? क्योंकि ये एक कॉलेज यूनिशन से जुड़ा है, जिसका मुख्य आरोपी मनोज मिश्रा है। मनोज मिश्रा खुद टीएमसी की छात्र शाखा के सचिव रह चुके हैं। वो टीएमसी के सदस्य हैं। संबित पात्रा ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक कमेटी बनाई है, वह कमेटी मौके पर जाकर जांच करेगी। इसके सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी और सांसद बिप्लव देव और मनन मिश्रा हैं।

आपके प्रियजनों को आज ही नामांकित करें, उनका कल सुरक्षित बनाएँ

नामांकन यह सुनिश्चित करता है कि आपकी मृत्यु के बाद आपके प्रियजनों को बिना किसी परेशानी के आपकी वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्राप्त हो जाएँ

- अपने बैंक खाते, लॉकर और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए अपना नामांकन करें
- नामांकन के विवरण की जाँच बैंक से की जा सकती है

आरबीआई कहता है... जानकार बनिएं, सतर्क रहिए!

अधिक जानकारी के लिए, <https://rbikehtahai.rbi.org.in/nf> पर विजिट करें
फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

संक्षिप्त समाचार

असोगा के 4 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्य प्रारंभ



पाटन (समय दर्शन)। पाटन विकास खण्ड ग्राम असोगा में अर्शिचित मिश्रित वृक्षारोपण 4 हेक्टेयर क्षेत्र में कार्य प्रारंभ किया गया। उप वनमण्डलाधिकारी दुर्गा धनेश साहू, जनपद सदस्य श्रीमती रश्मि वर्मा , सरपंच असोगा श्रीमती जानकी चोपड़िया के आतिथ्य में पूजा अर्चना के साथ वृक्षारोपण किया गया। जनपद सदस्य रश्मि भेद प्रकाश वर्मा ने कहा वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण करने की जरूरत है। अगर हम आज पर्यावरण के प्रति सजग नहीं होंगे तो आने वाले समय में पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस अवसर पर प्लदार पौधा हरी, बहेड़ा, बादाम, कटहल, जाम, आम, तेंदू, लसोड़ा, सीताफल, महुआ एवं छायादार पौधा आकेशिया, कचनार, नीम,शीशम एवं पारस पीपल का रोपण किया गया।सर्किल फॉरेस्ट ऑफिसर डी पी वर्मा, बिट फॉरेस्ट ऑफिसर वेदप्रकाश यादव, नारद साहू एवं ग्रामवासी अशोगा उपस्थित रहे।

हिट एंड रन मामलों में मुआवजा सुनिश्चित करने जिला न्यायालय परिसर में आयोजित हुई बैठक

सुप्रीम कोर्ट के आदेश व सालसा के निर्देशों के पालन में हुआ आयोजन



मुंगेली (समय दर्शन) सुप्रीम कोर्ट के आदेश तथा सालसा के निर्देशानुसार हिट एंड रन मामलों में मुआवजा सुनिश्चित करने जिला न्यायालय परिसर मुंगेली में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की श्रीमति कंचन लता आचला , दावाजांच अधिकारी एवं अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमति निष्ठा पाण्डेय तिवारी और उप पुलिस अधीक्षक संजय कुमार साहू उपस्थित रहे। बैठक में हिट एंड रन मामलों में अज्ञात वाहनों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से हुई मृत्यु एवं गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों के लिए क्लेम मुआवजा प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। पीठित पक्षकारों के लिए क्षतिपूर्ति हेतु आवेदन की प्रक्रिया, दुर्घटना की स्थिति में मृत्यु या गंभीर चोट की दशा में मुआवजा राशि तय करने तथा पुलिस एवं परिवहन विभाग से आवश्यक दस्तावेज तैयार कर एसडीएम के समक्ष समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

शमसुल आलम बने अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष



राजनांदगांव । जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने संगठन को मजबूत करते हुए अहम नियुक्ति की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के निर्देशानुसार प्रदेश संगठन मंत्री सौरभ झा तथा कोर कमेटी की अनुशंसा पर शमशुल आलम को अजीत जोगी युवा मोर्चा का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नए कार्यकारी अध्यक्ष को पार्टी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि वे पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा एवं सिद्धांतों के अनुरूप संगठनात्मक कार्यों का निर्वहन करते हुए युवाओं को पार्टी से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पार्टी की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में शमशुल आलम को संगठन विस्तार एवं युवा मोर्चा की सक्रियता बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने आलम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा नई ऊर्जा और दिशा के साथ आगे बढ़ेगा तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। पूरे प्रदेश की पदाधिकारियों में खुशी की लहर है प्रदेश भर से शुभकामनाएं संदेश भेजे जा रहे हैं।

धर्म, सेवा और समर्पण की त्रिवेणी पुरी की श्रीजगन्नाथ रथयात्रा-डॉ.सम्पत अग्रवाल

■ विधायक डॉ. संपत अग्रवाल हुए पुरी रथ यात्रा में शामिल, प्रदेशवासियों की खुशहाली की करी मंगल कामना

जगन्नाथपुरी (ओडिसा)। छत्तीसगढ़ के बसना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं नीलांचल सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संपत अग्रवाल ने इस वर्ष भी पुरी की विश्वविख्यात श्रीजगन्नाथ रथ यात्रा में सपरिवार सहभागी होकर धार्मिक आस्था, समाजसेवा और समर्पण की प्रेरणास्रोत मिसाल प्रस्तुत की। उनके साथ क्षेत्र के 30 से अधिक श्रद्धालुओं का एक भावपूर्ण जल्था भी शामिल रहा। **आध्यात्मिकता में रचा-बसा जनसेवा का संकल्प-** इस अवसर पर भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना कर नंदीघोष रथ



यात्रा श्रद्धापूर्वक शामिल हुए विधायक डॉ. नहीं, बल्कि आत्मा की श्रद्धि और जनकल्याण की प्रेरणा का माध्यम बताया।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल कहा, यह यात्रा मुझे केवल भगवान के दर्शन का सौभाग्य ही नहीं देती, बल्कि सेवा और समर्पण का अनुपम भाव भी जगाती है।

अर्पित किया नीलांचल ध्वज, गुंज उठा गौरव का पल- हर वर्ष की तरह इस बार भी डॉ. अग्रवाल ने जगन्नाथ मंदिर में नीलांचल ध्वज अर्पित कर नीलांचल सेवा समिति की परंपरा को निभाया। यह क्षण बसना क्षेत्र के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण रहा, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर स्वीकारा।

गुडिचा मंदिर में भी दर्ज हुआ सेवा भाव- भगवान जगन्नाथ के गुडिचा मंदिर आगमन पर भी उन्होंने रथ खींचने की सेवा में सहभागिता दी। यह क्षण श्रद्धा और परंपरा दोनों का अद्भुत संगम बन गया।

लगभग चार दशकों से निभा रहे परंपरा- विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बताया कि लगभग 40 वर्षों से मैं और मेरा

परिवार निरंतर इस रथ यात्रा में सम्मिलित हो रहा है। इस बार अपने साथ वरिष्ठ नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं को भी इस आध्यात्मिक यात्रा का सहभागी बनाया।

सेवा-सुविधाओं का किया समुचित प्रबंध- यह यात्रा केवल धार्मिक ही नहीं रही, बल्कि सेवा भावना से ओतप्रोत रही। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन और दर्शन की समुचित व्यवस्था में भी सहभागिता सुनिश्चित की , जो नीलांचल सेवा समिति और विधायक डॉ संपत अग्रवाल की संवेदनशीलता का परिचायक है।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- इस ऐतिहासिक रथयात्रा में उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, सांसद सजित पात्रा, राज्य सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण, भाजपा कार्यकर्ता एवं श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

महासमुंद वार्ड पार्षद विजय साव पर चाकू से हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार



महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद शहर के मौहारीभाटा इलाके में वार्डवासियों की मदद के लिए पहुंचे पार्षद विजय साव पर शुक्रवार देर रात चाकू से हमला कर दिया गया। घायल पार्षद को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस हमले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है ,और मामले की जांच जारी है।

बर्थडे पार्टी में उपद्रव, फिर बवाल : घटना की शुरुआत एक बर्थडे पार्टी से हुई। मौहारीभाटा स्थित कोमल पटेल के घर में जन्मदिन का जश्न चल रहा था, उसी दौरान सुभाषनगर और नयापारा से आए 10इ॥12 युवकों ने मोहल्ले में गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इन उपद्रवियों ने वार्डवासी हितेश दुबे और गिरधर चंद्राकर के साथ मारपीट की, जिसमें उन्हें चोटें आईं।

सूचना मिलने पर पुलिस और पार्षद मौके पर पहुंचे : सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और वार्ड पार्षद विजय साव घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को थाने लाकर मामला दर्ज करना शुरू किया।

वहीं पार्षद भी स्थिति का जायज़ा लेने थाने पहुंचे।

थाने में हुआ चाकू से हमला : मिली जानकारी के अनुसार थाने में मौजूद तीन युवकों इ॥ सरीफ अली, चिरंजीव यादव और सकील अली ने पार्षद से गाली-गलौज शुरू कर दी और तुम यहां क्यों आए हो ? कहते हुए हमला कर दिया।

आरोप है कि चिरंजीव यादव ने पार्षद विजय साव पर चाकू से वार किया, जिससे उन्हें कमर के नीचे बाएं भाग में गंभीर चोट आई। हमले के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तीन आरोपी गिरफ्तार, FIR दर्ज : पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे मामले में एफ़्साईआर दर्ज कर जांच की जा रही है। सू्यों के मुताबिक हमला रात करीब 11 से 12 बजे के बीच की है। **वार्डवासियों में आक्रोश :** इस घटना के बाद वार्डवासियों में आक्रोश है। लोगों ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है और पार्षद विजय साव के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

स्कूल वह मंदिर है, जहाँ गढ़ा जाता है बच्चों का भविष्य - चातुरी नंद

■ ग्राम मोखापुटका में सम्पन्न हुआ विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव

■ नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विकासखंड के ग्राम मोखापुटका में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने कहा कि, शाला प्रवेश उत्सव के इस पावन अवसर पर, जहाँ हम अपने नन्हे सितारों का स्वागत कर रहे हैं, जो अपनी नई शैक्षिक यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। यह दिन केवल स्कूल में प्रवेश का नहीं,



बल्कि एक नई शुरुआत, नई उम्मीदों और सपनों का दिन है। विधायक चातुरी नंद ने अपने संबोधन में कहा कि यह वह दिन है जब हमारे छोटे-छोटे बच्चे, जिनके मन मासूम और उत्साह से भरे हैं, स्कूल की दहलीज पर पहला कदम रखते हैं। यहाँ से शुरू

होती है उनकी वह यात्रा, जो उन्हें न केवल किताबी ज्ञान देगी, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करेगी। स्कूल वह मंदिर है, जहाँ बच्चों का भविष्य गढ़ा जाता है, जहाँ उनकी प्रतिभा को निखारा जाता है, और जहाँ वे अपने सपनों को पंख देना

सीखते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद रूप कुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल, जनपद अध्यक्ष लक्ष्मी पटेल, जिला पंचायत सदस्य कुमारी भास्कर, एसडीएम नम्रता चौबे, सरपंच लोचन भावना पटेल सहित अन्य अतिथिगण मंचासिन थे। कार्यक्रम में अतिथियों ने नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं का स्वागत कर उन्हें किताबें, साइकल भेंट कर नए सत्र के शुरुआत की शुभकामनाएं दीं गईं।

कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पंचगण, शिक्षक शिक्षिकाएं सहित ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्कूल परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान : बच्चों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण की पहल



तिलेश्वरी साहू, रामेश्वरी साहू, राकेश साहू, कोटवार विवेक जोशी, गिरधारी धनकर, आगनबाड़ी कार्यकर्ता मनोषा और पुष्पा साहू, पंचायत सचिव मनोज देवांगन, मितानिन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामूहिक प्रयासों से स्कूल परिसर को स्वच्छ करने में योगदान दिया। अभियान के दौरान स्कूल परिसर में बिखरे कचरे जैसे प्लास्टिक, कागज और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्रित कर

उचित निपटान के लिए भेजा गया। इसके अलावा, स्कूल के चारों ओर उगे खरपतवार और जंगली घास को हटाया गया, जिससे परिसर न केवल स्वच्छ बल्कि आकर्षक भी दिखने लगा। परिसर के खेल के मैदान, कक्षाओं के आसपास और प्रवेश द्वार की विशेष रूप से साफ किया गया, ताकि बच्चों को एक स्वस्थ और सुरक्षित स्थान मिल सके। सरपंच मुकेश साहू ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, हमारा दायित्व है कि हम अपने

बच्चों को एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करें, जहां वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई और अन्य गतिविधियों पर ध्यान दे सकें। स्वच्छता केवल स्कूल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे गांव की जिम्मेदारी है। हमारी कोशिश है कि गांव का हर कोना स्वच्छ और सुंदर बने। उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान ग्राम पंचायत की एक नियमित पहल का हिस्सा है, जिसके तहत हर शनिवार को गांव के विभिन्न स्थानों, जैसे सामुदायिक भवन, मंदिर परिसर और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। उपसरपंच मोती राम साहू ने अभियान की सराहना करते हुए कहा, यह सामूहिक प्रयास हमारी एकता और जिम्मेदारी को दर्शाता है। बच्चों का भविष्य हमारी प्राथमिकता है, और स्वच्छ वातावरण उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

तुमगांव में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने बताया शिक्षा का महत्त्व

तुमगांव (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी और जिला मिशन समन्वयक के नेतृत्व में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, तुमगांव के विशाल सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी (लोकसभा, महासमुंद) उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथियों में चंद्रहास चंद्राकर (अध्यक्ष, बीज विकास निगम छत्तीसगढ़), श्रीमती मोगरा किशन पटेल (अध्यक्ष, जिला पंचायत महासमुंद), भीष्म सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष जिला पंचायत महासमुंद, नेतराम साहू (जिला अध्यक्ष, भारत स्काउट गाइड), बलराम तुमगांव), राकेश चंद्राकर, कलेक्टर विनय लंगेह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महासमुंद श्री एस. आलोक की गरिमामयी उपस्थिति रही।



कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पूजन, वंदन, दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात कक्षा 1, 6 एवं 9 में नव प्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक कर स्वागत किया गया तथा मिश्रान, पाठ्यपुस्तकें, गणवेश व स्कूल बैग वितरित कर उनका अभिनंदन किया गया। उत्सव के अगले चरण में हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2025 में राज्य स्तर पर स्थान प्राप्त करने

वाली छात्राओं कु. आरती भोई (छठवाँ स्थान) एवं कु. सिमरन कश्यप (सातवाँ स्थान) को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी के शीर्ष 10 विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत जिले के श्रेष्ठ शिक्षकों को शिक्षादूत, ज्ञानदीप पुरस्कार, नकद राशि, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह



भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानपाठकों, माताओं, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों तथा सफाई कर्मियों को भी विशेष सम्मान दिया गया।

सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत विद्यालय की कक्षा 9 की बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिल का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया

गया। तुमगांव संकुल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गीत, नृत्य व योग प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्काउट गाइड छात्रों द्वारा भी अपनी सहभागिता दी गई।

अपने उद्बोधनों में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने बच्चों को कौशल आधारित शिक्षा अपनाने, आत्मनिर्भर बनने एवं केंद्र सरकार की कौशल विकास योजना का लाभ उठाने की प्रेरणा दी। बीज

निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने विद्यार्थियों को सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विद्यालयों में नामांकन एवं छात्र ठहराव बढ़ाने पर जोर दिया और बच्चों से व्यसन मुक्त भारत अभियान से जुड़ने की अपील की। अतिथियों में नेतराम साहू एवं बलराम कांत साहू ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

शाला प्रवेशोत्सव के आयोजन का सफल संचालन जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे एवं जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा, सतीश नायर, एन.के.सिन्हा,के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डी एन जांगडे , श्रीमती विद्या साहू, श्रीमती संपा बोस, सुश्री अंजली बरमाल, लीलालाल सिन्हा, जागेधर रिस्ना सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के समस्त अधिकारियों, संकुल समन्वयकों, तुमगांव संकुल के प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों का सहायनीय योगदान रहा।

वी बिज़नेस के रेडी फॉर नेक्स्ट- भारत की सबसे बड़ी डिजिटल अडवाइज़री ने एमएसएमई दिवस के मौके पर मनाया विकास का जश्न

रस्सी खींचकर आगे बढ़ाया। पर
वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष
भजन-कीर्तन और भक्तिमय उल्लास से
गूँज उठा। रथ यात्रा मुख्य मार्गों से होते-
हुए मौसीबाड़ी पहुंची। भगवान श्री
जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्र

संचालित योजनाओं के माध्यम से किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी दी। मंत्रियों ने इस दौरान उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ में संचालित केंद्र और राज्य प्रवर्तित महत्वकांक्षी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की।

मे आशंका थी कि योजना का लाभ लेना आसान नहीं होगा, लेकिन सरकारी प्रक्रिया पारदर्शी रही और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं उठनी पड़ी। तब समय पर खाते में किस्तों की राशि मिली और ठेगु राम ने अपने ही मकान के निर्माण कार्य में खुद श्रमिक बनकर मेहनत की। एक-एक ईंट जोड़कर उन्होंने अपने परिवार का सपना साकार किया। आज उनका परिवार सुस्थित, सम्मानजनक

थियपुर (समय दर्शन) । छत्तीसगढ़ की अति पछड़ी जनजातियों में शामिल कमार जनजाति की घटती आबादी को देखते हुए शासन द्वारा उन्हें विशेष संरक्षण प्रदान किया गया है। इस जनजाति के ठेगुर राम कमार जो भमतरी जिले के नगरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पिपरही भरी में निवासी है। उन्होंने बताया कि पहले अपने परिवार के साथ टूटी-फूटी झोपड़ी में बेहद कठिन हालातों में जीवन व्यतीत कर रहे थे। राम सरस्वतीय परिवार के मुखिया ठेगुर राम परसात के मौसम को सबसे ज्यादा डरावना मानते थे, जब खरपेले के बीच से टपकते पानी के कारण पूरी रात जागकर बितानी पड़ती थी। राजेश हवातो के हर झोंके के साथ डर का साया संधराता रहता था कि कहीं कोई अनहोनी न हो जाए। ऐसे में जीवन बस जैसे-तैसे कट रही थी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) इस परिवार के लिए आशा की राई को पकान बनकर आई। योजना के तहत ठेगुर को कच्चा मकान स्वीकृत हुआ। उनकी पत्नी पार्वती को शुरुआत

प्रधामंत्री सूर्यवर मुन्त बिजली योजना सौर पैनलों के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए ऊर्जा उत्पन्न करने में जोर देती हैं। इससे न केवल बिजली की कीमतों को घटाने में मदद मिलेगी, बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सस्ती बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इस योजना के तहत सौर पैनल इंस्टॉलेशन और मॉनिटरिंग के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर

पेदा होंगे। योजना का एक अन्य लाभ है कि यह ग्रामीणों के क्षेत्रों में बिजली की पहुँच बढ़ाने में मदद करेगी, जिससे वहाँ का जीवनशैली में सुधार होगा। सौर ऊर्जा का उपयोग न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी फायदेमंद है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक ऊर्जा उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई होती है। इससे न केवल उपभोक्ता के घर का बिजली जाल शुन्य हो जाता है, बल्कि उपभोक्ता के घर का बिजली जाल शुन्य हो जाता है।

बिल्क प्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त धन भी प्राप्त होती है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यचरित बिजली योजना अंतर्गत 30 हजार रूपये से 78 हजार रूपय तक की सब्सिडी प्रति प्लांट दिए जाने का निर्धारण है। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार प्लांट राशि एवं सब्सिडी अलग-अलग है। उपभोक्ता को सोलर प्लांट के ब्रांड चयन कर सकते हैं। 30 किलोवाट से अधिक क्षमता का प्लांट लगाने पर अधिकतम 78 हजार रूपय तक सब्सिडी का प्रावधान है। प्रधानमंत्री सूर्यचर-मुक्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट चेनेललर्हीतपहचअण्णद चेनेललर्हीत मोबाईल पर पंजीयन कर लाॅग इन कर प्लांट प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर लब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित वेंडर की स्थापना एवं डिस्कॉम नेट मीटर स्थापित करा जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यपन पश्चात शापन सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है। इस समय यदिय उपभोक्ता इच्छुक हो तो शेष राशि का प्रकरण प्रतियुक्त ब्याज दर पर बैंक हाथु देवु बैकों को समर्पण पोर्टल द्वारा ऑनलाईन प्रेषित किया जाता है।

cbc-48143/12/0003/2526

समय दर्शन

संपादकीय

मेडे, ये वो आपात संदेश

मेडे, ये वो आपात संदेश था जो अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने उड़न भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को भेजा था, लेकिन एटीसी जब तक कोई प्रतिक्रिया करता तब तक दूसरी ओर सुनने वाला कोई बचा नहीं था। विमान टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हवाई अड्डे के बाहर सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार देशी विदेशी यात्रियों और वरु सहित 242 लोगों में से सिर्फ एक खुशकिस्मत यात्री के सिवा कोई नहीं बचा। मेडिकल कॉलेज होस्टल, कैफेटेरिया को भी भारी क्षति पहुंची और 10 से अधिक लोगों की भी मौत हुई है जिनमें कुछ प्रशिक्षु चिकित्सक थे। लंदन जा रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी मृत्यु हो गई। स्वाभाविक तौर पर यह कभी न भूलने वाला गम है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता तो जांच के बाद ही लग सकेगा, लेकिन कुछ तथ्यों पर तुरंत गौर करना जरूरी है। वह क्या कारण थे कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) उड़ान भरने के बाद 625 फुट से ऊपर नहीं उठ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के लैंडिंग गेयर भी तब तक सिमटे नहीं थे कि पायलट को आपात पुकार लगानी पड़ी, लैंडिंग गेयर समेटने की प्रक्रिया स्वचालित होती है। क्या विमान टेक ऑफ के लिए जरूरी नहीं पकड़ पाया था। विमान को तेजी से नीचे आते देखा गया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा भी नहीं है कि पायलट कम अनुभवी रहे हों। उड़ान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के हाथों थी। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। हादसे की परिस्थितियां विमान के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या उड़ान से पहले जरूरी जांचों में लापरवाही बरती गई थी? बोइंग कंपनी के विमानों को लेकर बीते वर्षों में इतमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। कई बार ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोका जा चुका है। कंपनी अभी तक तो सभी आरोपों से इनकार करके बचती रही है। अब वक्त आ गया है कि अहमदाबाद हादसे में मारे गए पायलट की आपात पुकार को हर वक्त सुना जाए और विमानों के मेटेटेक्स में लापरवाही को आपराधिक कृत्य माना जाए ताकि अब कोई और हादसा न हो और देश की छवि पर कोई धब्बा न लगे।

सेमीकंडक्टर बनेगा छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का नया इंधन

जी.एस केशरवानी

भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रुपये की लागत से छत्तीसगढ़ की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का भूमिपूजन किया जा चुका है। देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी पोलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट की आधारशिला रखकर विकसित छत्तीसगढ़ की तरक्की को नई गति दी गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साया के नेतृत्व में नई उद्योग नीति और इज ऑफ डूईंग बिजनेस के तहत राज्य द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहुलियतों से राज्य में निवेश का नया वातावरण तैयार हुआ है। सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी पॉलीमेटेक ने भी दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट में छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी और मात्र तीन महीने के भीतर ही भूमिपूजन का कार्य संपन्न हुआ। यह छत्तीसगढ़ में ईज ऑफ डूईंग बिजनेस की सफलता की दर्शाती है।

छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर प्लांट की स्थापना से जहां एक ओर बड़े पैमाने पर चिप्स का निर्माण होगा, वहीं तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। राज्य सरकार द्वारा न केवल सेमीकंडक्टर निर्माण पर ध्यान दिया जा रहा है बल्कि सेमीकंडक्टर के लिए पूरे इको सिस्टम तैयार करने की भी योजना पर भी काम किया जा रहा है, जिसमें चिप डिजाईन से लेकर मेनुफैक्चरिंग और पैकेजिंग की पूरी व्यवस्था होगी। राज्य सरकार द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डाटा सेंटर जैसे नए और तकनीकी उद्योगों को बढ़ावा देने से राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा साथ ही रोजगार के नए-नए अवसर भी बढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह मंत्र दिया है कि दुनिया के कम्प्यूटर में लगने वाले चिप में कम से कम एक चिप भारत में बना हो। उन्होंने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वर्ष 2030 तक 10 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सेमिकंडक्टर मिशन की शुरुआत की है। सेमीकंडक्टर की महत्ता और उपयोगिता को सरल शब्दों में इस प्रकार समझा जा सकता है। वाहनों का जिस प्रकार इंधन पेट्रोल है, ठीक उसी प्रकार सेमीकंडक्टर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का मस्तिष्क और संचालक है। मोबाइल, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, रक्षा उपकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कांटम कंप्यूटिंग, ड्रोन और स्मार्ट डिवाइस इन सभी में सेमीकंडक्टर की केंद्रीय भूमिका होती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने कुछ महीने पहले ही नई औद्योगिक नीति लागू की है, जिसके परिणामस्वरूप महानगरों में आयोजित इन्वेस्टर समिट से अब तक साढ़े 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अनुदान के साथ ही कई प्रकार की सुविधाएं दे रही है। सिर्फ सेमीकंडक्टर ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईटी सेक्टर में भी राज्य सरकार निवेश को प्रोत्साहन दे रही है। देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क नवा रायपुर में बनाया जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ एक प्रमुख तकनीकी हब के रूप में उभरेगा।

विचार-पक्ष

एससीओ में आतंकवाद पर चले पारस्परिक दांवपेंच के मायने समझिए और इसका स्थायी हल ऐसे निकालिए

कमलेश पांडे

जब इजरायल जैसा छोटा-सा यहूदी देश अपने शौर्य, पराक्रम और कूटनीति जनित तकनीकी विकास के बल पर ईरान जैसे कट्टर शिया इस्लामिक देश का मुकाबला कर सकता है, तो भारत जैसा विशाल हिन्दू राष्ट्र अपने शौर्य, पराक्रम और कूटनीति जनित तकनीकी विकास के बल पर पाकिस्तानी/पूर्वी पाकिस्तान (बंगलादेश) जैसे कट्टर सुन्नी देश का मुकाबला कर सकता है। बस जरूरत सिर्फ इस बात की है कि जैसे अमेरिका के प्रति इजरायल समर्पित होकर उसका साथ लेता रहता है, वैसे ही हमें रूस के प्रति वफ़्दारी निभाकर (क्योंकि वह हमारे दुःख का जांचा-परखा भरोसेमंद अंतरराष्ट्रीय साथी है) उसका पक्का साथ हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए।

ऐसा इसलिए कि रूस जब भारत के साथ रहेगा तो अमेरिका, यूरोप, चीन और इस्लामिक देश भी अपनी हद में रहेंगे। वहीं, जब रूस को भारत का खुला साथ मिलेगा तो अमेरिका, यूरोप, चीन और इस्लामिक देश रूस को आँख नहीं दिखा पाएंगे। सच कहूँ तो रूस के तकनीकी विकास को यदि भारत की जनसंख्या का साथ और सैन्य सहयोग मिल जाए तो वह दुनिया प्त्तह तो करेगा ही, भारत की रक्षा भी होती रहेगी। इसके अलावा, इजरायल और रूस के बीच भारत जैसी दोस्ती कैसे बनेगी, इस दिशा में भी भारत को सोचना होगा। क्योंकि ग्रेटर इजरायल, ग्रेटर इंडिया और ग्रेटर रूस की अवधारणा को साकार करके न केवल यूरोप को काबू में रखा जा सकता है, बल्कि चीन भी इस त्रिकोण के बनने के बाद अपनी शैतानी भूल जाएगा, खासकर पड़ोसियों के खिलाफ।

रही बात, आतंकवाद के नियातक देश ईरान (शिया बहुल आतंकी) और पाकिस्तान (सुन्नी बहुल आतंकी) की, तो इनकी जैसी अप्रत्याशित धुनाई इजरायल-अमेरिका और भारत-रूस ने की है, वह हर आतंकवादी घटना के बाद जोर पकड़नी चाहिए। यही वजह है कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर और इजरायल का ऑपरेशन..... अभी भी जारी रहेगा। रही बात सोवियत संघ के पतन के बाद रूस-चीन के नेतृत्व में बने एससीओ की, जिसे नाटो और विघटित सीटो से जुड़े अमेरिका-यूरोप परस्त एशियाई देशों से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है, उससे रूस की सहमति लेकर भारत तबतक अलग रहे, जबतक कि चीन-पाकिस्तान जैसे देश आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय



दृष्टिकोण को स्वीकार न कर लें। वहीं, भारत-रूस-इजरायल और आतंकवाद विरोधी मुस्लिम देशों का एक ऐसा संगठन तैयार करें, जो अमेरिका-चीन प्रोत्साहित आतंकवादी हरकतों से न केवल ऑन द स्पॉट निबटे, बल्कि इनको हथियार देने वाली कम्पनियों पर भी हमले की रणनीति बनाए। उन्हें ब्लैकलिस्ट करे। यह यूएनओ का कार्य है, लेकिन यह अमेरिका-चीन तिकड़म पसंद सफेद हाथी बन चुका है।

यह बात में इसलिए कह रहा हूँ कि जिस तरह से दुनिया के दो पुराने धर्मों हिन्दू व यहूदी धर्म के खिलाफ इस्लाम आक्रामक है, आतंकवादी पैदा करता है, अमेरिका-चीन से हथियार व आर्थिक मदद लेकर इनकी हथियार व सुरक्षा उपकरण निर्माता कम्पनियों के कारोबार विस्तार में मदद करता है, उसकी रोढ़ तोड़नी होगी। यह कार्य गुटनिरपेक्ष देश भारत कर सकता है, लेकिन उसे रूस, इजरायल के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, फ़्रांस, जर्मनी, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब जैसे दूसरी पंक्ति के देशों को साधकर चलना होगा।

यही वजह है कि जब शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) के सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान ने आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास किया तो भारत ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम में जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर

करने से इनकार करके स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

एससीओ बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकियों, उनके समर्थकों फंडिंग करने वालों और सीमा पार से आतंक फैलाने वालों को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। लेकिन, जब भारत ने यह प्रस्ताव दिया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को संयुक्त बयान में शामिल किया जाए तो चीन और पाकिस्तान ने इसका विरोध किया। जबकि पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश की गई कि बलूचिस्तान में हुई घटनाओं और वहां की स्थिति को संयुक्त बयान में जगह मिले। इससे साफ है कि यह सबकुछ एक सोची-समझी रणनीति थी।

इसलिए भारत को चाहिए कि वह अमेरिका और चीन विरोधी देशों यानी ग्लोबल साउथ का एक अलग गुट बनाये और उन्हें सशक्त सैन्य नेतृत्व दे। वहीं अमेरिका-रूस के नेतृत्व वाले संगठनों की सदस्यता ले, क्योंकि चीन व इस्लामिक देशों, यथा- पाकिस्तान, बंगलादेश (पूर्वी पाकिस्तान) के संयुक्त षड्यंत्रों और धर्म के नाम पर इन्हें समर्थन देने वाले देशों के समूल नाश के लिए यह जरूरी है। इससे इजरायल से बेहतर अंतरराष्ट्रीय पार्टनर कोई नहीं हो सकता। हां, अमेरिका-चीन के साथ चुहे-बिछी वाली कूटनीति जारी रहनी चाहिए और पाकिस्तान-बंगलादेश को कूटने वाली रणनीति से भी कोई समझौता नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, चीन से व्यापार घाटे को कम करने या उससे व्यापार शून्य करने की स्पष्ट रणनीति बनानी चाहिए, ताकि हमसे कमाकर ही वह हमारे खिलाफ अपनी सेना को मजबूत नालं कर पाए।

आपातकाल: लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला

विष्णुदत्त शर्मा

कांग्रेस का लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है। जब वह सत्ता से बाहर होती दिखाई देती है, वह संविधान और लोकतंत्र की धन्जियाँ उड़ाने से नहीं चूकती। डॉ. राममनोहर लोहिया के ये शब्द 25 जून 1975 को उस समय सत्य सिद्ध हुए, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आज से 50 वर्ष पहले, 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुःखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। 1970 के दशक की शुरुआत में भारत गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा था। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और असंतोष के कारण सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा था। इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया।

इस फैसले के बाद देश भर में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गई। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया। इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया। कांग्रेस की संस्कृति रही है—परिवार पहले, संविधान बाद में। ‘इंडिया इज़ इंडिया’ नारा को लेकर की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था। एक व्यक्ति, एक परिवार को देश से बड़ा समझना ही कांग्रेस की वैचारिक विकृति है। आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं,

पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूस दिया गया। ‘इंदिरा इज़ इंडिया और इंडिया इज़ इंदिरा’ जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि अलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया।

आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले में उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे। इससे देश की भावी पीढ़ी की सोच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के नाम परजबरन नवभंडी का अभियान चलाया। लाखों गरीब पुरुषों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए बाध्य किया गया। दिल्ली में तुर्कमान गेट जैसी घटनाओं में, जब लोगों ने इसका विरोध किया, तो गोली चलवा दी गई, जिसमें अनेक लोग मारे गए। इस दौरान हज़ारों ड्रगिंग्स और बर्बरियाँ उजाड़ दी गईं, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए।

वर्ष 1985 में लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा— आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था। यह बयान बताता है कि कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं, केवल परिवार और सत्ता से प्रेम है। 21 महीनों तक देश को लोकतंत्र से वंचित रखकर कांग्रेस के एक परिवार की सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान का गला घोंटा गया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ने वालों को जेल में ठूँसा गया। लगभग 1 लाख 40 हजार लोगों को जेल में बंद किया गया और 22 कस्टोडियल डेथ हुईं। संविधान को आत्मा को कुचला गया। मीसा कानून में संशोधन कर प्राकृतिक न्याय की भावना का उल्लंघन किया गया।

कांग्रेस की प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी रही है—जो विरोध करे, उसे समाप्त कर दो। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लोकप्रिय नेता को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया गया। बाबा साहेब अंबेडकर जैसे महापुरुष का कांग्रेस द्वारा निरंतर विरोध और अपमान किया गया। कांग्रेस ने संविधान में अब तक 75 बार संशोधन किए, कई संशोधन सत्ता को मजबूत करने हेतु थे। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया।1973 में वरिष्ठता की परंपरा को तोड़ते हुए जस्टिस अजीतनाथ रे को चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया—

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार था। मीसा कानून के जरिए निर्दोष लोगों को कैद किया गया— क्या यही कांग्रेस का न्याय है? शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटकर कांग्रेस ने करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के अधिकार छीन लिए। राजीव गांधी ने वोट बैंक के लिए संविधान के साथ सौदा किया, यही कांग्रेस की असली सोच है। राहुल गांधी संसद में संविधान की प्रति लहराते हैं, लेकिन 2013 में उसी संसद के अध्यादेश को फाड़ कर संविधान की अवमानना करते हैं।

कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वही कांग्रेस बार-बार संविधान को बेरहमी से कुचलती रही है। कांग्रेस के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा है — असली सत्ता नेहरू-गांधी परिवार के इर्द-गिर्द ही घूमती है। जहां कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेदों का उपयोग केवल सत्ता में बने रहने के लिए किया, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार हर अनुच्छेद के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाने की जागरूकता अभियान चला रही है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान को तब को दिया, उसे कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए मोड़ा, तोड़ा और बदला। मोदी सरकार उसी संविधान को आधार बनाकर हर वर्ग के कल्याण और अधिकारों की गारंटी दे रही है— यही असली सम्मान है बाबा साहेब को। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता— ये चार स्तंभ सिर्फ किताबों में नहीं, आज मोदी सरकार में नीति और शासन का आधार बन चुके हैं। कांग्रेस ने इन सिद्धांतों को दिखावे की बातें बनाकर रखा, जबकि मोदी सरकार इन्हें नीति, योजना और क्रियान्वयन के स्तर पर सशक्त कर रही है।

लोकतंत्र सेनानियों का ही संघर्ष है जिसके परिणाम स्वरूप भारत में लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ। आज देश की प्रगति के पीछे लोकतंत्र सेनानियों का बलिदान आधार का पत्थर है। जिसके कारण लोकतंत्र पुर्नस्थापित हुआ और 2014 में भाजपा के श्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व के रूप में भारत को महान नायक मिला जिनके नेतृत्व में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत व गहरी हुईं, तुष्टीकरण संतुष्टीकरण में बदला, पूरा भारत एक हुआ, आतंकवाद की कमर टूटी, 11 वीं अर्थव्यवस्था से देश विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था में सुशिक्षित हुई, माताओं बहनों के सम्मान की रक्षा हुई, भ्रष्टाचार, घपले, घोटालों का अंत हुआ, भारत ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया, विकसित भारत-2047 के संकल्प की सिद्धि के लिए रात दिन एक करके सघन प्रयास प्रारंभ कर दिया।

बता दें कि एससीओ की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि सोवियत संघ के विघटन के बाद एशियाई इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। जबकि चीन और पाकिस्तान ने एससीओ की इस मूल भावना के विपरीत काम किया है। ऐसा इसलिए कि दोनों देश अमेरिका के एजेंट्स हैं। कोई पहले रह चुका है और कोई अबतलक है। यह स्थिति रूसी रणनीति के खिलाफ है। क्योंकि अपने तुच्छ हितों के लिए चीन-पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ ने ऑर्गनाइजेशन के मकसद को भुलाकर एक नया कूटनीतिक संकट पैदा कर दिया। जिससे संगठन पर असर पड़ सकता है, क्योंकि भारत का अब इसमें बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। भारत को उन सभी संगठनों से अलग हो जाना चाहिए, जो अमेरिका विरोधी हो और जिसमें चीन-पाकिस्तान मौजूद हैं। चूंकि भारत, अपने मित्र रूस के कहने पर इन संगठनों की सदस्यता लेता है, इसलिए भारत के हितों की रक्षा की जिम्मेदारी रूस की भी बनती है।

कहा जाता है कि जब कोई संगठन अपने ही मूल सिद्धांतो से पीछे हटने लगे, तो फिर उसका अंतरराष्ट्रीय कद और प्रभाव भी गिरने लगता है। कहीं अमेरिकी इशारे पर एससीओ इसका शिकार न हो, इसके लिए दूसरे सदस्य देशों यथा रूस व रूसी गणराज्य से अलग हुए मध्य एशियाई देशों को चीन-पाकिस्तान की चालबाजियों को समझना होगा और इनकी स्थायी काट तलाशनी होगी। क्योंकि ये अमेरिकी एजेंट्स की भांति कार्य करते हैं और रूस को मजबूत होने देना नहीं चाहते हैं।

इसलिए भारत को चाहिए कि वह अमेरिका और चीन विरोधी देशों यानी ग्लोबल साउथ का एक अलग गुट बनाये और उन्हें सशक्त सैन्य नेतृत्व दे। वहीं अमेरिका-रूस के नेतृत्व वाले संगठनों की सदस्यता ले, क्योंकि चीन व इस्लामिक देशों, यथा- पाकिस्तान, बंगलादेश (पूर्वी पाकिस्तान) के संयुक्त षड्यंत्रों और धर्म के नाम पर इन्हें समर्थन देने वाले देशों के समूल नाश के लिए यह जरूरी है। इससे इजरायल से बेहतर अंतरराष्ट्रीय पार्टनर कोई नहीं हो सकता। हां, अमेरिका-चीन के साथ चुहे-बिछी वाली कूटनीति जारी रहनी चाहिए और पाकिस्तान-बंगलादेश को कूटने वाली रणनीति से भी कोई समझौता नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, चीन से व्यापार घाटे को कम करने या उससे व्यापार शून्य करने की स्पष्ट रणनीति बनानी चाहिए, ताकि हमसे कमाकर ही वह हमारे खिलाफ अपनी सेना को मजबूत नालं कर पाए।

भारतीय कामगारों का सशक्तिकरण : रोजगार में बढ़ोतरी और श्रमिक कल्याण के डिजिटल उपाय

वी. अनंत नागेश्वरन

आधुनिक डिजिटल युग में, चैटबॉट, पोर्टल, ऑनलाइन शिकायत निवारण व्यवस्था और प्रबंधन सूचना प्रणालियों द्वारा संचालित ई-गवर्नेंस पोर्टल ने सरकार को लोगों के बेहद करीब ला दिया है। प्रौद्योगिकि के माध्यम से सरकार रोजगार वृद्धि और कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने को फिर से परिभाषित और पुनर्संयोजित कर रही है। अब प्रक्रियाएं अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन रही हैं। योजना से संबंधित पोर्टल अब ऑल-इन-वन (एकल सुविधा) प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो धोखाधड़ी, मैन्युअल प्रक्रियाओं और प्रशासनिक बोझ कम करते हुए कार्यक्रमों के बारे में निर्बाध ज्ञान प्रवाह और लाभ मापन की सुविधा प्रदान करते हैं। योजनाओं को आधार कार्ड से जोड़े जाने और विभिन्न योजनाओं के साथ इसके अंतर्संबंध से किसी को दो बार लाभ लेने से रोकने के साथ ही यह सुनिश्चित होता है कि लाभ समय पर लक्षित लोगों तक ही पहुंचें। आपस में जुड़े पोर्टल कामगारों को लाभकारी योजनाओं तक पहुंचने और आवेदन की स्थिति जानने, रोज़गार के अवसरों का पता लगाने और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। जबकि ये नियोक्ताओं को राष्ट्रीय प्रतिभा पूल के उपयोग में सहायता प्रदान करते हैं, जिससे कौशल और अनुभव के आधार पर कामगारों की भर्ती संभव हो पाती है। इसके अतिरिक्त, ये पोर्टल असंगठित श्रमिकों, नौकरी के इच्छुक कामगारों, नियोक्ताओं और रोज़गार के अवसरों का व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने में योगदान देते हैं, जिससे नीति निर्माताओं को सूचित, डेटा-समर्थित निर्णय लेने की सहायता मिलती है। किसी बड़े संकट के समय, महामारी इत्यादि के दौरान, ये डेटाबेस बेहद उपयोगी सिद्ध होंगे, जिससे ज़रूरतमंदों की शीघ्रता से पहचान और समय पर सहायता सुनिश्चित हो सकेगी। यह डिजिटल शासन में परिवर्तन को सुव्यवस्थित कर रहा है, नागरिकों को सशक्त बना रहा है और कल्याणकारी प्रयासों की व्यापकता और प्रभावशीलता बढ़ा रहा है। इन पहल के कुछ उदाहरणों की यहां चर्चा की गई है। राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल इस परिवर्तनकारी पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय द्वारा 2015 में आरंभ किए गए इस पोर्टल ने रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों को संबंधित सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 5 करोड़ 50 लाख से अधिक कामगारों के पंजीकरण के साथ, यह एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में काम कर रहा है जो नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्तियों को देश भर में रोजगार के अवसरों से जोड़ता है। इस पर उन्हें करियर काउंसलिंग, जॉब मैचिंग, इंटरनेशिय और अंटरेंट्रसिप (प्रशिक्षुता), कौशल विकास पाठ्यक्रम आदि की जानकारी प्रदान की जाती है। किसी राज्य विश्वविद्यालय से तुरंत स्नातक होने वाला छात्र पहले मोबाइल फोन के जरिए देश भर में नौकरी के अवसरों को जानने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। पर आज, एनसीएस की मदद से कोई भी व्यक्ति आसानी से स्थान के हिसाब से पीएम गतिशील के साथ एकीकरण के जरिए, देश भर में नौकरियों की खोज कर सकता है, करियर और नौकरी संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है और यहाँ तक कि रिकल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल के जरिए आवश्यक कौशल भी हासिल कर सकता है। यह सब उसे फ़ोन पर या स्थानीय रोजगार मेलों में शामिल होकर मिल सकता है।



डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों को इस तरह के खाने की होती है क्रैविंग

अवसाद से जूझ रहे लोगों को कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा हो सकती है, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति से भी संबंध हो सकता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक लगातार उदास मनोदशा से ग्रस्त रहने वाले अवसाद के रोगियों को भूख भी कम लगती है लेकिन जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं समेत विभिन्न शोधकर्ताओं ने कहा कि गंभीर अवसाद से ग्रस्त लोगों में कभी-कभी भोजन के प्रति लालसा उत्पन्न हो जाती है।

इस अध्ययन के शोधकर्ता एवं बॉन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल बॉन में चिकित्सा मनोविज्ञान के प्रोफेसर निल्स क्रोमर ने कहा, “इन परिवर्तनों के कारण शरीर के वजन में भी बदलाव हो सकता है।” साइकोलॉजिकल मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में 117 प्रतिभागियों के समूह को शामिल किया गया – जिनमें से 54 अवसादग्रस्त जबकि 63 स्वस्थ थे।

इन लोगों को खाद्य संकेत प्रतिक्रिया कार्य पूरा करने के लिए कहा गया, जिसमें 60 खाद्य पदार्थों और 20 गैर-खाद्य पदार्थों को इस आधार पर रेटिंग दी गई कि वे उसे चाहते हैं या पसंद करते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसादग्रस्त लोगों में भोजन की इच्छा कम होती है, लेकिन पसंद में कमी नहीं आती।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, “गंभीर अवसाद से ग्रस्त रोगियों ने कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की तुलना में उच्च वसा और उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों को कम पसंद किया और कम रेटिंग दी। उन्होंने यह भी पाया कि ऐसे रोगियों के बीच वसा और कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे दूध चॉकलेट के प्रति भी अधिक लालसा थी।

नीदरलैंड के मास्ट्रिच विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की छात्रा लिली थर्न ने कहा कि जबकि कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा आम तौर पर अधिक भूख से संबंधित होती है, अध्ययन से पता चला है कि कार्बोहाइड्रेट की लालसा अवसाद की समग्र गंभीरता, विशेष रूप से चिंता के लक्षणों से अधिक संबंधित है।



क्या टाइप 2 डायबिटीज मरीजों के लिए दवा समान है इमली?

आज के समय में डायबिटीज और मोटापे से पीड़ित लोगों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान का बेहद ध्यान रखना पड़ता है। एक बार यदि किसी इंसान को डायबिटीज हो जाए, तो उसे अपनी जीवनशैली में कई बदलाव करने पड़ते हैं, इसके साथ ही उन्हें अपने आहार में भी कुछ बदलाव करने पड़ते हैं, इसके अलावा, उन्हें नियमित दवाइयों का इस्तेमाल करना भी बंद नहीं करना पड़ेगा। यही कारण है कि इस बीमारी के प्रति शुरू से ही अतिरिक्त सावधानी बरतने बेहद जरूरी है।

बहुत से लोगों के मन इस बात को लेकर संदेह रहता है कि क्या डायबिटीज मरीज इमली का सेवन कर सकते हैं। ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानें कि इमली के सेवन से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ता है या इससे कंट्रोल होता है, इस बारे में शोध क्या कहता है...

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद या नुकसानदायक

शोध के मुताबिक, अन्य फलों की तरह इमली भी हमारे शरीर को कई लाभ प्रदान करती है। इमली में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी, विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों

भरपूर मात्रा में पाई जाती है। जब बात डायबिटीज मरीजों की आती है तो इमली का सेवन करना उनके लिए बेहद फायदेमंद होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट को ऑब्जर्व होने से बचाती है।

इमली डायबिटीज रोगियों में पैन्क्रियाटिक टिश्यू की क्षति को ठीक करती है। इमली में मौजूद फाइबर और हाइड्रोक्सीसिट्रिक एसिड ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह विशेष रूप से टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए फायदेमंद है। इमली इंसुलिन के साव को बढ़ाती है। जर्नल ऑफ मेडिसिनल फूड में प्रकाशित 2018 के एक अध्ययन में पाया गया कि इमली का रस इंसुलिन रिजल को बढ़ाता है और टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में सूजन को कम करने में मदद करता है।

इमली से मजबूत होगी रोग प्रतिरोधक क्षमता : इमली में कुछ ऐसे एसिड होते हैं जो पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। पेट दर्द या डायरिया में भी यह कारगर है। इमली के सेवन से दिल स्वस्थ रहता है। शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, जिससे दिल की धमनियों के ब्लॉक होने का खतरा कम होता है। इमली में विटामिन सी

अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर को कई तरह के संक्रमण से बचाने में भी मदद करती है।

इमली के अन्य लाभ क्या हैं?

इमली हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में मौजूद खनिजों को शरीर द्वारा आसानी से अवशोषित करने में मदद करती है। शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है। इमली शरीर में अपच को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इमली व्यूटी केयर में भी बहुत उपयोगी है। इमली मुंहासे और दाग-धब्बे जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को कम करने से लेकर चेहरे की चमक बढ़ाने तक हर काम के लिए उपयोगी है। इमली में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। इमली खाने से शरीर में आयरन का अवशोषण बेहतर तरीके से होता है। आयरन की कमी दूर होती है।

इमली में मौजूद म्यूसिलेज, पेक्टिन और अरेबिनोज पाचन प्रक्रिया को तेज करते हैं। यह आंतों में स्वस्थ बैक्टीरिया के उत्पादन को बढ़ाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे खास तौर पर कब्ज से राहत मिलती है।

आइब्रो बनवाने के बाद होने वाली जलन से राहत देंगे ये 3 घरेलू उपाय, अगली बार खुशी से जाएंगी पार्लर

अकसर आइब्रो बनवाने के बाद महिलाएं त्वचा पर दाने निकलने, रेडनेस, जलन और दर्द की शिकायत करती हैं। ऐसा ज्यादातर वेक्सिंग या थ्रेडिंग के दौरान त्वचा को महसूस होने वाले खिंचाव की वजह से हो सकता है। वजह चाहे कुछ भी हो लेकिन इसका असर कई घंटों तक महिलाओं के चेहरे पर बना रहता है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई बार दवा से लेकर घरेलू उपाय तक आजमाती रहती हैं। अगर आपको भी इस तरह की समस्या हर बार आइब्रो बनवाते समय झेलनी पड़ती है तो ये घरेलू उपाय आपकी मुश्किल को दूर करके राहत पहुंचाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

थ्रेडिंग के बाद दर्द और जलन से निजात दिलाएंगे ये उपाय

ठंडा पानी

थ्रेडिंग के बाद त्वचा में होने वाली जलन और दर्द से राहत पाने के लिए आपको सबसे पहले चेहरे को ठंडे पानी से धोना चाहिए। इसके अलावा आप प्रभावित जगह पर आइस पैक को एक कपड़े में लपेटकर 15 मिनट तक जलन वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाकर सूजन, जलन और लालिमा को कम करने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल को त्वचा पर लगाकर थोड़ी देर मसाज करें। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें।

खीरे का रस

खीरे का रस त्वचा को ठंडक और राहत देता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जलन को कम करने में मदद करते हैं। इस उपाय को करने के लिए खीरे के टुकड़े काटकर प्रभावित जगह पर रगड़ें या फिर खीरे का रस निकालकर त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं। तब समय बाद चेहरा पानी से अच्छी तरह धो लें।

गुलाब जल

गुलाब जल भी त्वचा की जलन को शांत करने में फायदेमंद हो सकता है। गुलाब जल के इस उपाय को करने के लिए रुई में गुलाब जल डालकर प्रभावित क्षेत्र पर कुछ देर लगाकर रखें। थोड़ी देर बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।



एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स यूज करने की क्या है सही उम्र, जानिए किन बातों का रखना चाहिए ख्याल

हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा के लिए मौसम और उम्र के साथ रिस्क केयर में बदलाव करना बहुत जरूरी है। हर उम्र में रिस्क की जरूरत अलग-अलग हो सकती है। वैसे तो रिस्क केयर में शामिल करने के लिए आपको कई प्रोडक्ट मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप उम्र और रिस्क टाइप के मुताबिक उन्हें नहीं चुनेंगे तो उनके इस्तेमाल से आपको कोई फर्क नहीं दिखेगा। बात जब एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने की होती है तो अधिकतर लोग कंप्यूजन में रहते हैं कि आखिर इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल किस उम्र से करें। अगर आपको भी ये कंप्यूजन है तो जानिए एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र और इस्तेमाल करते समय किन बातों को ध्यान में रखें।

क्या है एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र ?

एक्सपर्ट के मुताबिक एंटी-एजिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल शुरू करने की सही उम्र 25 के बाद या 30 की शुरुआत तक है। क्योंकि यह वह समय है जब त्वचा का प्राकृतिक कोलेजन उत्पादन स्लो होने लगता है और उम्र बढ़ने के पहले लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में एक सही एंटी एजिंग क्रीम आपकी कई रिस्क प्रॉब्लम को सॉल्व कर सकती है।

किन बातों का रखें ध्यान

- 1) किसी भी एंटी एजिंग प्रोडक्ट खरीदने से पहले अपनी रिस्क टाइप को जानें और उसी के मुताबिक प्रोडक्ट को चुनें।
- 2) एंटी एजिंग क्रीम सही उम्र में लगाना शुरू कर देना चाहिए। तभी ये प्रोडक्ट समय से पहले आने वाले एजिंग साइन को रोकने में मदद करेंगे।
- 3) भले ही आपको चेहरे पर झुर्रियां दिखाई न दें, फिर भी एक उम्र के बाद एंटी एजिंग प्रोडक्ट लगाना शुरू कर देना चाहिए। ऐसा करके आने वाले समय में एजिंग के लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है।
- 4) कम उम्र में एंटी-एजिंग प्रोडक्ट एजिंग साइन के लक्षणों को उलटने के बजाय झुर्रियों को रोकने और त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करते हैं।



आमलेट या उबले अंडे? स्वास्थ्य के लिए क्या है बेहतर?



अंडा एक संपूर्ण भोजन है। कई लोग नाश्ते में अंडे खाना पसंद करते हैं। अंडे खाना स्वास्थ्यवर्धक है। इसमें प्रोटीन, 9 प्रकार के आवश्यक अमीनो एसिड, आयरन, विटामिन बी, डी और अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। नियमित रूप से अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन कुछ लोगों को ऑमलेट खाना पसंद है। वे नाश्ते में ऑमलेट

खाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उबले अंडे में ऑमलेट की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं?

उबले अंडे : वेबएमडी के अनुसार, उबले अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, एक उबले अंडे में छह ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है। यह मांसपेशियों की वृद्धि के लिए बहुत उपयोगी है। इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक के साथ-साथ विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन बी 12 भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं।

उबले अंडे में कैलोरी कम और प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं। जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, प्रतिदिन एक उबला अंडा खाने से वजन नियंत्रण में मदद मिलती है। मस्तिष्क स्वास्थ्य : उबले अंडे मस्तिष्क

स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं। अंडे में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला पोषक तत्व कोलीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बहुत उपयोगी है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक टीम द्वारा किए गए शोध में यह बात सामने आई है। इसके अलावा, उबले अंडे कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं।

ऑमलेट : ऑमलेट अंडे से बना एक स्वादिष्ट व्यंजन है। कई लोग ऑमलेट बनाने के लिए उसमें हरी मिर्च, हल्दी, प्याज और अन्य सब्जियां मिलाते हैं। कुछ लोग इसमें पनीर भी मिलाते हैं। इन सभी सामग्रियों को मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है। इसमें विटामिन, खनिज और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में होता है। तेल और पनीर जैसी चीजें खाने से कैलोरी बढ़ जाती है। शरीर में अनहेल्दी फैट जमा हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि बहुत अधिक कैलोरी का सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है।

स्वास्थ्य के लिए कौन सा बेहतर है?

स्वास्थ्य के लिए अच्छा : उबले अंडे में

सभी पोषक तत्व होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उबले अंडे ऑमलेट की तुलना में अधिक स्वास्थ्यवर्धक होते हैं।

अधिक स्वादिष्ट : एक ऑमलेट उबले अंडे से अधिक स्वादिष्ट होता है। पौष्टिक तत्व : ऑमलेट में सब्जियां डालने से उसका पौष्टिक मूल्य बढ़ जाता है। लेकिन इसमें कैलोरी अधिक होती है।

उबले अंडे या ऑमलेट खाने के फायदे व्यक्ति के शरीर की जरूरतों पर निर्भर करते हैं। जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए उबले अंडे खाना अच्छा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऑमलेट उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो समान पोषक तत्व अधिक मात्रा में प्राप्त करना चाहते हैं।

उबले अंडे खाने के फायदे वजन घटाने के लिए फायदेमंद पाचन संबंधी समस्याओं का सही समाधान

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा मस्तिष्क के कार्य के लिए लाभदायक



मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है ऑमलेट खाने के फायदे स्वस्थ वसा प्राप्त होती है फायबरसमृद्ध पौष्टिक पदार्थ पालक से भरा ऑमलेट शरीर में आयरन बढ़ाता है ढेर सारी सब्जियों से बने ऑमलेट विटामिन सी का अच्छा स्रोत है

संक्षिप्त समाचार

अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही कर भेजा गया न्यायिक रिमाण्ड पर जेल

मुंगेली (समय दर्शन) थाना जरहागांव क्षेत्र में अवैध देशी मदिरा शराब परिवहन करते 01 आरोपी को किया गया गिरफ्तार आरोपी राजेन्द्र बंजारे निवासी तरकीडीह के कब्जे से 08 लीटर कच्ची महुआ शराब को किया गया जप्त व 5 इंच करीबन 300 लीटर महुआ लाहन (पास) को विधिवत नष्ट किया गया थाना जरहागांव में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 84/2025 धारा 34 (2), 59 (क) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर किया गया कार्यवाही मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा असामाजिक तत्वों एवं मादक पदार्थ की अवैध बिक्री व तस्करी करने वालों के विरुद्ध ऑपरेशन बाज अभियान चलायी जाकर समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को कड़ी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुंगेली सुश्री नवनीत कौर खन्ना एवं उप पुलिस अधीक्षक एस. के. घुलहरे के कुशल मार्गदर्शन पर दिनांक 27.06.2025 को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम तरकीडीह बगीचापारा के राजेन्द्र बंजारे अपने घर के पास बाड़ी में अवैध रूप से अधिक मात्रा में कच्ची महुआ शराब बिक्री हेतु रखा है कि सूचना पर थाना जरहागांव पुलिस टीम द्वारा मुखबीर के बताये स्थल पर पहुंचकर गवाहों के समक्ष राजेश बंजारे को घेराबंदी कर पकड़ा, जिसके कब्जे से दो पीला रंग के जरीकेन में 5-5 लीटर क्षमता वाली मे भरा हुआ कच्ची महुआ शराब एक में 03 लीटर व दूसरा मे 05 लीटर कुल 08 लीटर कच्ची महुआ शराब को जप्त किया गया व 5 इंच करीबन 300 लीटर का महुआ लाहन (पास) को विधिवत नष्ट किया गया, आरोपी राजेन्द्र बंजारे पिता परदेशी उम्र 35 वर्ष निवासी तरकीडीह थाना जरहागांव, जिला मुंगेली छ.ग. का कृत्य अपराध धारा 34 (2),59 (क) आबकारी एक्ट का पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर मौके में बिना नंबरी अपराध दर्ज कर नंबरी अपराध बाद ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक नंदलाल पैकरा थाना प्रभारी जरहागांव, प्र.आर. लक्ष्मण यादव, आरक्षक सुशांत पाण्डेय, प्रवीण मिश्रा, उमेश सोनवानी की सराहनीय भूमिका रही।

श्री चैतन्य टेकनो स्कूल के खिलाफ जांच की मांग, पैरेंट्स एसोसिएशन ने लगाए गंभीर आरोप

राजनांदगांव। शहर में बड़े तामझाम और ब्रांडेड प्रेंचाईजी के नाम पर शुरू हुए श्री चैतन्य टेकनो स्कूल को लेकर छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन ने गंभीर आरोप लगाए हैं। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिषेफर पॉल ने स्कूल की शिकायत जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी समेत चार वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित रूप में देकर उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि डी-मार्ट के पास स्थित इस स्कूल में बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पालकों को सीबीएसई पैटर्न का भ्रम देकर मोटी फीस वसूली जा रही है, जबकि स्कूल का सीबीएसई से कोई सीधा संबंध नहीं है।

किताबें भी मान्यता के विरुद्ध- क्रिषेफर पॉल ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार से राज्य बोर्ड (एससीईआरटी/सीजी बोर्ड) की मान्यता प्राप्त इस स्कूल में न तो शासन द्वारा निर्धारित निःशुल्क किताबें दी जा रही हैं, न ही राज्य बोर्ड का पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है। इसके बजाय स्कूल ने अपना खुद का पाठ्यक्रम और किताबें लागू कर रखी हैं, जो केवल स्कूल में ही उपलब्ध हैं।

सीबीएसई के नाम पर भ्रम फैलाने का आरोप- शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि स्कूल सीबीएसई पैटर्न के नाम पर पालकों को गुमराह कर रहा है। कई पालक यह मानकर अपने बच्चों को स्कूल में भर्ती करा रहे हैं कि यहां सीबीएसई का सिलेबस पढ़ाया जा रहा है, जबकि हकीकत इससे कोसों दूर है।

निधन : तपस्विनी साहू

सरायपाली। ग्राम जोगनीपाली कुटेला चौक निवासी तपस्विनी साहू उम्र 48 वर्ष का शुक्रवार को निधन हो गया। अंतिम संस्कार गृह ग्राम में किया गया। वे रोहित साहू की पत्नी, जयप्रकाश व अरविंद की मां थी।

अहिवारा टाउनशिप में भीषण आगजनी, कार-स्कूटी-बाइक जलकर खाक, सवालों के घेरे में बीएसपी प्रबंधन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। बीएसपी टाउनशिप के 200 यूनिट क्वार्टर में मंगलवार रात को एक बड़ा हादसा हो गया। रात करीब 11 बजे एक मकान में अचानक आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर घर में खड़ी कार, ओला स्कूटी और बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई, लेकिन पूरा परिवार दहशत में है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि आग लगने के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था,

बढ़ रही असामाजिक तत्वों की गतिविधियां- स्थानीय लोगों का कहना है कि इन अनजान लोगों

व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा जानमाल का नुकसान हो सकता था। **कौन है जिम्मेदार?**- अब सवाल ये उठता है कि इस आगजनी और असामाजिक तत्वों की बढ़ती घुसपैठ का जिम्मेदार कौन है? क्या बीएसपी प्रबंधन बिना उचित जांच के क्वार्टर्स अलॉट कर रहा है? या फिर खाली पड़े क्वार्टर्स पर कब्जा जमाने वालों पर कोई नजर नहीं रखी जा रही? **स्थानीय निवासियों की मांग** लोगों ने बीएसपी प्रबंधन से मांग की है कि— सभी क्वार्टर्स का फिजिकल वेरिफिकेशन कराया जाए। अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जाए। बाहरी तत्वों की पहचान कर उचित कार्रवाई की जाए। टाउनशिप में सुरक्षा व्यवस्था को सख्त किया जाए। **प्रशासन से भी अपेक्षा-** घटना के बाद स्थानीय प्रशासन से भी निवासियों ने अपील की है कि मामले की गहराई से जांच हो और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

ग्राम पंचायत बिजली में सिलाई प्रशिक्षण पूर्ण, 19 महिलाएं हुई स्वावलंबी : स्मृति वेलफेयर फाउंडेशन ने किया प्रमाणपत्र वितरण

गरियाबंद जिले के पिंमोश्वर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बिजली, जो राज्यपाल गोद ग्राम के रूप में चयनित है, वहां स्मृति वेलफेयर फाउंडेशन के द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में गांव की 19 बालिकाएं एवं महिलाएं शामिल हुईं, जिन्होंने सिलाई का सफल प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत संस्था की ओर से सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्राम सरपंच श्रीमती पद्मा निषाद विशेष रूप से उपस्थित रही। सरपंच के मार्गदर्शन और सहयोग से

कमी होती है। हम वही अवसर उन्हें देने का प्रयास कर रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने भी संस्था के प्रति आभार प्रकट करते हुए बताया कि अब उन्हें गांव से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं, गांव में ही उन्हें हुनर सीखने और आत्मनिर्भर बनने का रास्ता मिला है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएं इस प्रकार हैं: निशा सेन, दीपा साहू, प्रेम पटेल, गीता साहू, हेमा निषाद, प्रियंका निषाद, कामिनी निषाद, अंशु यादव, दीपिका साहू, केसर निषाद, दुर्गेश्वरी निषाद, किरण सेन, कुलेश्वरी पटेल, सुमित्रा पटेल, देव ज्ञानी पटेल, उमा निषाद, विमला देवी, रामेश्वरी पटेल, परमेश्वरी यादव। समापन अवसर पर ग्रामवासियों एवं संस्था पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। यह प्रयास न केवल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक कदम है, बल्कि ग्राम विकास की मिसाल भी बनता जा रहा है।

दर्री स्कूल में प्रवेश उत्सव के दौरान रोपे पौधे

साजा (समय दर्शन)। थानख्मरिया समीपस्थ शासकीय प्राथमिक शाला, पूर्व माध्यमिक शाला एवं हाई स्कूल दर्री में शनिवार को शाला प्रवेश उत्सव एवं एक पेड़ माँ के नाम से पौधा रोपण का कार्यक्रम रखा गया। शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशित बच्चों को गुलाल लगाकर, सुई मीठा कराया गया। साथ ही पुस्तक एवं गणवेश वितरण कर प्रवेश दिलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर सरपंच तोरण यादव एवं अध्यक्ष नारायण सिंह राजपूत रहे। सरपंच तोरण यादव ने बच्चों को नियमित स्कूल आने एवं मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान शासकीय शाला में पढ़ने वाले बच्चों कि उपलब्धियों को भी बताया गया। शासन द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश वितरण को सराहा। अध्यक्ष नारायण सिंह राजपूत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने वाले बच्चों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। अतिथियों द्वारा एक पेड़ माँ

के नाम से पौधे रोपे गए और बच्चों को ने शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं दी गई। उपस्थित ग्राम पंचायत दर्री सरपंच तोरण यादव और शाला प्रबंधन एवं विकास समित अध्यक्ष नारायण सिंह राजपूत एवं सदस्य वासु (वि.प्रति.), हेमंत साहू ,टेकराम साहू,मोहन यादव रोहित साहू,लखन साहू, कुलेश्वर साहू एवं जनप्रतिनिधि, शिक्षक ही-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। हाई

बड़े बचेली में स्कूली बच्चों को नालसा योजनाओं के तहत विधिक जागरूकता

दंतेवाड़ा बचेली (समय दर्शन)। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दंतेवाड़ा के निर्देशानुसार, 28 जून , शनिवार को प्राथमिक शाला लेबर हार्टमेंट, बड़े बचेली में स्कूली बच्चों को नालसा आशा योजना, नालसा जागृति योजना, और नालसा संवाद योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों को गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, घरेलू हिंसा जैसे अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, ऐसी घटनाओं की स्थिति में अपने परिजनों को सूचित करने और कानूनी सहायता के लिए नजदीकी पुलिस थाने से संपर्क करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में थाना बचेली से पी.एल.व्ही. रीता चौहान, रंजीता यादव, और नंदकिशोर नाग उपस्थित थे।

अघोषित बिजली कटौती से खेतों मे नही पल पा रहा पानी, आक्रोशित किसान पहुंचे बिजली दफ्तर, लाइन को तत्काल सुधार करने अधिकारियों को से की मांग

बलराम यादव पाटन (समय दर्शन)। भारत एक कृषि प्रधान देश है, व भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि आधारित माना जाता है वहीं देश में निवासित ज्यादातर लोग कृषि पर निर्भर करते है , छत्तीसगढ़ में दक्षिण पश्चिम मानसून के पहुंचने के बाद भी बारिश में भंती करा रहे हैं जिससे किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच गई है, पाटन क्षेत्र मे जीवनदायिनी खारून के चलते क्षेत्र में वाटर लेवल बना रहता है इसलिए तरीघाट, सोनपुर,सिपकोना के किसान दयुबबेल के माध्यम से सिंचाई करते हैं परंतु वर्तमान परिस्थितियों में खेती किसानों का हाल बेहाल है ,पाटन क्षेत्र के गांव में ज्यादातर समय बिजली कटौती से किसान परेशान नजर आ रहे है , लगातार बिजली कटौती के कारण खेतों में

वे किसानों के समस्याओं का हल समय पर भी हल नहीं निकाल पा रहे , जिसके वजह से अघोषित बिजली कटौती का दौर बदनसूर जारी रहता है ,आज किसानों ने इस ओर बिजली विभाग का ध्यान आकर्षण कराया और कहा कि लाइनमैन खिलेश्वर साहू का तबादला अन्यत्र की जाए और उन्हें नया लाइनमेंन की नियुक्ति सोनपुर फीडर और केसरा फीडर पर किया जाए, जिससे कि बिजली व्यवस्था

निराश नजर आ रहे हैं क्योंकि खरीफ फसल की तैयारी में उनको विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है **समस्याओं का जड़ लाइनमैन की कार्यों में लापरवाही , फीडर पर नहीं दिखते-** पाटन क्षेत्र के सोनपुर फीडर के ज्यादातर गांव में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं , वहीं सोनपुर फीडर में का मामला अलग चल रहा है , देखा जाए तो यहां पर पदस्थ लाइनमैन खिलेश्वर साहू द्वारा अपने पदस्थ स्थान पर ड्यूटी नहीं करते वे अपने समय पर आते हैं और चले जाते हैं, ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होने के कारण ही अव्यवस्था उत्पन्न हो जाती है वे किसानों के साथ संपर्क नहीं रखते, इनके कार्यों में लापरवाही बरतने की शिकायत मिलती रहती है यही कारण ही बिजली कटौती हो या मेटेनैस के कार्यों में सही समय पर नहीं हो पा

रहा जिसे चलते किसान परेशान है **आक्रोशित होकर बिजली दफ्तर पहुंचे तरीघाट के किसान** - लगातार बिजली कटौती से किसान परेशान हो गए हैं इसी के चलते आज उन्होंने बिजली दफ्तर पाटन पहुंच कर अपनी समस्याओं को अधिकारियों को अवगत कराया जिसमें उन्होंने अपनी बात रखी है , ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग को नियमित:18 घंटे बिजली दी जानी और 5घंटे कटौती होनी चाहिए परंतु उन्हें 18 घंटे से कम बिजली दे रहे है ,इसकी वजह से खेतों में पानी नहीं पल पा रहा और किसानों को खेती की तैयारियां करने में दिक्रत आ रही है , ग्रामीणों में रोपाई का काम भी शुरू होने वाला है,इसके चलते खेती में लेट लतीफ होते जा रहा है इसी के चलते किसान आक्रोशित हो गए हैं,और बिजली दफ्तर पहुंचे

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

खबर-खास

लूट के आरोपी को गरियाबंद पुलिस ने किया गिरफ्तार



गरियाबंद (समय दर्शन)। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी युवराज गढ़िया निवासी कोचवाय थाना व जिला गरियाबंद थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराय कि 26 जून को वह अपने साथी के साथ मोटर सायकल में जन्मदिन पार्टी में गरियाबंद गया हुआ था। जो रात करीब 9.30 बजे पार्टी खत्म होने के बाद प्रार्थी अपने अन्य दो दोस्त के साथ वापस आते समय केशोडार तंवरबाहरा के आगे घटना के पास बाथरूम करने के लिये रुके थे। उसी दौरान कोकडी तरफ से स्कूटी में सवार होकर दो लोग आये और उनके पास आकर अपने पास रखे चाकू जैसा हथियार को गले में लगाकर गंदी गाली गलौज करते हुए कहा कि तुम लोग के पास जो भी सामान है तुरंत दे दो,ऐसा बोलकर धमकी देते हुए हाथ थपड़ से मारपीट करते हुए जेब से रियलमी कंपनी का मोबाईल,एक टेबनो कंपनी का मोबाइल के साथ जेब से नगदी 3100/रूपये को लूट लिये। उसके बाद वे दोनों अपना स्कूटी से केशोडार की ओर भाग गए। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों में दिशा निर्देश में घटना में प्रयुक्त स्कूटी स्वामी के संबंध में प्राप्त जानकारी के आधार पर आरोपीगण को पता तलाश किया गया जिसमें डोंगरीगांव निवासी राजा बांगड़े के द्वारा अपने अन्य साथी विधि से संघर्षरत बालक के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम देना बताया गया।आरोपी के द्वारा घटना में प्रयुक्त स्कूटी को विधि से संघर्षरत बालक के पास रखना तथा लूटे गये 1800/रूपये को खाने पीने में खर्च करना बताया गया। आरोपी राजा बांगड़े से दो नग मोबाइल एवं नगदी 1300/रूपये तथा विधि से संघर्षरत बालक से घटना में प्रयुक्त स्कूटी को विधिवत गवाहों के समक्ष जप्तकर कब्जा पुलिस लिया गया है।

फिगेश्वर में दिव्यांगता स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन, कलेक्टर ने किया निरीक्षण



गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर के आदेशानुसार समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में आज फ़िश्वर में सिकल सेल जांच एवं दिव्यांगजनों के चिकित्सा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के अलावा दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यू.डी.आई डी. कार्ड भी बनाया गया। शिविर का आयोजन जनपद पंचायत फ़िश्वर में किया गया।शिविर में कुल 156 दिव्यांगजन पंजीकृत किए गए। शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ,नेत्र रोग विशेषज्ञ,मनोरोग सहित अन्य प्रकार के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित होकर दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य जांच किया। साथ ही आवश्यक सलाह प्रदान करते हुए उपचार भी किया।शिविर में कलेक्टर बी एस उईके ने पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे स्वास्थ्य जांच का अवलोकन किया, एवं दिव्यांगजनों को शिविर का लाभ उठाने प्रेरित किया।इस दौरान समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक डी एस ठाकुर, एसडीएम विशाल महाराणा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

हाथ भट्टी महुआ शराब की अवैध रूप से बिक्री पर रोक लगाने आबकारी टीम की बड़ी कार्यवाही

गरियाबंद। अवैध महुआ शराब पर प्रतिबन्ध लगाने आबकारी आयुक्त प्रबंध संचालक रयाम धावड़े तथा कलेक्टर बी.एस.उईके के निर्देश पर उपर्युक्त आबकारी अनिवेश नेताम से प्राप्त निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी मुकेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में गरियाबंद जिले की आबकारी टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई व सघन गश्त के दौरान थाना गैलनपुर अंतर्गत ग्राम मौहदा (धवलपुर) के आरोपी किर्तन कुमार कमलेश के कब्जे से कुल 20.500 बल्ल लीटर अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब जप्त कर आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा क्रमांश: 34 (2), 34(1) छ एवं 59 (क) के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में लिया गया।उक्त कार्यवाही में आबकारी वृत्त गरियाबंद आबकारी उप निरीक्षक नागेशराज श्रीवास्तव,आबकारी उप निरीक्षक कन्हैयालाल कुर्रे एवं आबकारी अस्थक पीताम्बर चौधरी वाहन चालक शैलेन्द्र करप्रा साथ ही नगर सैनिक संजय नेताम मनवीर करप्रा एवं महिला सैनिक कामिनी सोनी तथा वाहन चालक गोवर्धन सिन्हा का योगदान रहा।

युक्तियुक्तकरण में गड़बड़ी , मर्ज स्कूलो को फिर से खोलने की अनुशंसा... निलंबित डीईओ एलपी पटेल के विरुद्ध कार्यवाही डीपीआई को पत्र

सरिया प्राचार्य पुरुषोत्तम चौधरी और संकुल समन्यक उमा शंकर साहू के विरुद्ध कार्यवाही

सारंगढ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)– सारंगढ बिलाईगढ़ जिले में युक्तियुक्तकरण को लेकर शिक्षकों ने लगातार विरोध किया कहा जा रहा था किसी प्रकार का कोई पारदर्शिता नही है और आज सारंगढ और सरिया में देखने को मिला जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने शिकायत को सही पाया गया और जल्द ही स्कूलो को पुनः खोलने कलेक्टर को पत्र लिखा जिसमे दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की बात कही

पूरा मामला – सारंगढ शासकीय प्राथमिक शाला रेंजर पारा

डाईस कोड 22041629704 जो कि अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र में स्थित है। जिसकी दर्ज संख्या 18 है. इस क्षेत्र में अत्यंत गरीब व मजदूर अनुसूचित जाति के लोग निवासरत है. इस स्कूल को नियम विरुद्ध बंद कर 1 कि.मी दूर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला सहसपुर डाईस कोड 22041618301 में मर्ज कर दिया गया है। जबकि शासन के नियमानुसार शहरी क्षेत्र में मर्ज के लिये 2 स्कूलों के बीच की दूरी 500 मीटर होनी चाहिये। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यालय सारंगढ में दावाआपत्ति किया गया था, जिसमें रेंजर पारा के पार्श्व व निवासी द्वारा 1 कि. मी. दूरी का प्रमाण पत्र सहित सबुत दिया गया था। दावाआपत्ति उपरांत शासकीय प्राथमिक शाला रेंजर पारा को मर्ज शाला सूची से बाहर कर



दिया गया था। परन्तु अंतिम सूची में पुनः जोड़ दिया गया और शाला को बंद कर प्राथमिक शाला सहसपुर में मर्ज कर दिया गया है।

जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कलेक्टर को लिखा पत्र जिसमे युक्तियुक्तकरण हेतु गठित समिति द्वारा परिशिष्ट 3 ब (संशोधन हेतु प्रस्ताव) में दोनो विद्यालयों की परस्पर दूरी 0.8

कि.मी. होना बताया गया है। परन्तु पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अनुभाग स्तरीय समिति के द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को नजर अंदाज कर रेंजर पारा की सूची को 5 किलोमीटर से कम दर्शाते हुए बंद कर दिया गया। अतः विद्यालयों की परस्पर दूरी 500 मीटर से अधिक होने के कारण युक्तियुक्तकरण से युक्तियुक्तकरण के तहत प्राथमिक

प्रतिवेदन भेजा जाना उचित होगा एवं उक्त प्रकरण में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी. पटेल के विरुद्ध कार्यवाही हेतु DPI को प्रतिवेदन भेजा जाना उचित होगा।

सरिया प्राथमिक शाला डीपापारा के समिति एवम मोहल्ले वासिया ने गया सरिया के प्राथमिक शाला डीपापारा सरिया समिति एवं समस्त मोहल्ले ने कलेक्टर को निवेदन आवेदन किया गया था जिसमें दोनो शालाओं की दूरी का अंतर 02 कि.मी. है एवं नगर पंचायत सरिया से आउट एरिया में है और घर बस्ती से दूर है तथा नेशनल हाईवे मुख्य मार्ग होने के कारण छोटे बच्चे सड़क पार कर स्कूल नहीं जाएंगे एवं शासन के द्वारा लिया गया निर्णय युक्तियुक्तकरण के तहत प्राथमिक

शाला डीपापारा सरिया को नही लिया जाये. प्राथमिक शाला डीपापारा सरिया को यथावत रखने के संबंध में आवेदन किया गया है। उक्त संबंध में जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बरमकेला से दूरी के संबंध में जांच कराय़ा गया, जिसमें मुख्य मार्ग से स्कूल की दूरी 1.8 किलोमीटर पाया गया। अतः उक्त संबंध में प्राचार्य एवं संकुल समन्वय के द्वारा गलत जानकारी प्रदाय की गई थी। प्राचार्य पुरुषोत्तम चौधरी एवं संकुल समन्वय उमाचरण साहू के विरुद्ध कार्यवाही हेतु शासन को पत्र लिखा जाना प्रस्तावित है। प्राथमिक शाला डीपापारा सरिया को पुनः खोलने हेतु पत्र शासन को भेजा जाना प्रस्तावित है। शिकायत सही पाया गया है,

द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन पंजीयन 29 तक

कांकेर। तकनीकी शिक्षा विभाग कांकेर द्वारा डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रथम चरण में प्रवेश के पश्चात द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन पंजीयन 29 जून तक होगा। अभ्यर्थी निर्धारित तिथि के भीतर आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। शासकीय पॉलिटेक्निक के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि परिणाम की घोषणा 04 जुलाई को होने के बाद प्रवेश की प्रक्रिया 05 से 08 जुलाई तक चलेगी। सभी छात्र निर्धारित तिथि में आवंटित संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं।

नाम परिवर्तन

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दीपक धनवानी पिता नन्दलाल धनवानी, निवासी-मकान नं. बी-68, आम्रपाली वनांचल सिटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490023 का हूं। जो यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना पुराना नाम बदलकर नया नाम दीपक कुमार धनवानी रख लिया हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम दीपक कुमार धनवानी पिता नन्दलाल धनवानी से ही जाना, पहचाना एवं पुकारा जावे।

दीपक धनवानी

मकान नं. बी-68, आम्रपाली वनांचल सिटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490023

पत्रकार सुरक्षा क़ानून को लेकर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के ज्ञापन के बाद राज्यपाल ने छत्तीसगढ शासन को लिखा खत

गरियाबंद (समय दर्शन)। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ के द्वारा प्रदेश के विधायकों के माध्यम से पत्रकार सुरक्षा क़ानून का जो ड्राफ्ट राज्यपाल महोदय के पास हस्ताक्षर हेतु विगत दो वर्षों से रखा हुआ हैं उसमे हस्ताक्षर करने या उसे विधानसभा वापस भेजने को लेकर संगठन के लेटर में विधायको को राज्य पाल महोदय के नाम ज्ञापन दिया ज्ञापन में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश परिहार ने कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव को भी राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा था जिस पर विधायक अटल श्रीवास्तव ने तुरंत संज्ञान लेते हुए राज्यपाल महोदय के हमारे पत्र के साथ अपना पत्र भेजा जिसमें पत्रकार सुरक्षा क़ानून को जल्द से जल्द प्रदेश में लागू हो और पत्रकार स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता कर सकें हेतु आग्रह किया जिसका राज्य पत्र भेजा महोदय ने संज्ञान लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन को खत लिख कर पत्रकार सुरक्षा क़ानून लागू करने विधि सम्भवत कार्य कर सुचना देने की



बात कही। अटल श्रीवास्तव कोटा विधायक (कांग्रेस पार्टी)ने कहा कि प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा क़ानून लागू होना चाहिए और पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की आजादी भी मिलनी चाहिए हमारी पूर्व की भूपेश बघेल की सरकार ने प्रदेश के पत्रकारों को उनकी मांग मिले उसके लिये पत्रकार सुरक्षा क़ानून का ड्राफ्ट बनाया और उसे विधानसभा में भी पास कराया था उसके बाद राज्यपाल के

पास हस्ताक्षर के लिये भेजा यदि उस समय के राज्यपाल विधानसभा में पास हुए ड्राफ्ट में हस्ताक्षर कर देते तो आज पत्रकारों को उनका क़ानून मिल गया होता लेकिन अब पत्रकारों को न्याय देने का काम विष्णुदेव साय सरकार का हैं और उन्हें ये क़ानून जरूर मिलना चाहिए में पत्रकारों को विश्वास दिलाना चाहता हूं में और मेरी पार्टी कांग्रेस पत्रकार सुरक्षा क़ानून दिलाने के लिये पत्रकारों के साथ हैं।

राजहरा पुलिस कर रही अवैध शराब बिक्री एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्यवाही

4 दिन में 7 प्रकरण आबकारी एक्ट की कार्यवाही कर किया गया गिरफ्तार

बालोद। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग राम गोपाल गर्ग के आदेश पर योगेश पटेल पुलिस अधीक्षक बालोद तथा श्रीमती मोनिका ठाकुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला बालोद के निर्देशन में एवं डा0 चित्रा वर्मा नगर पुलिस अधीक्षक राजहरा के मार्गदर्शन में अवैध जुआ, सट्टा, शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी ? दल्लीराजहरा निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय द्वारा राजहरा क्षेत्रांगत अवैध जुआ, सट्टा, शराब के विरुद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है थाना प्रभारी द्वारा 4 दिवस में आबकारी एक्ट के तहत कुल 7 प्रकरण दर्ज किया गया है जिसमें अवैध रूप से अधिक मात्रा में शराब परिवहन करने वाले के विरुद्ध 1 प्रकरण, अवैध शराब ? बिक्री करने के ?विरुद्ध 3 प्रकरण , अवैध रूप से शराब बिक्री हेतु ? परिवहन के 1 प्रकरण तथा अवैध रूप से शराब पीने पिलाने की सुविधा प्रदान करने वाले के विरुद्ध 1 प्रकरण एवं सार्वजनिक जगह पर बैठ कर शराब पीने वालों के विरुद्ध 1 प्रकरण दर्ज किया गया है।

थाना प्रभारी दल्लीराजहरा द्वारा राजहरा नगर के निगरानी गुण्डा बदमशों की चेकिंग कर उन पर जिला बदर की कार्यवाही किया जा रहा है तथा प्रतिबंधित करने हेतू लगातार 129 बीएनएस के तहत कार्यवाही किया जा रहा है । 25 जून को मुखबीर सूचना मिला कि वार्ड क्र0 18 आम जगह रोड पर शराब पी रहा है कि सूचना पर रेड कर मनोज कुमार रामटेके पिता स्व0 सहदेव रामटके निवासी वार्ड क्र0 18 पुराना बाजार राजहरा को आम जगह पर शराब पीते रंगे हाथ पकड़ा गया



जिसके विरुद्ध अपराध क्र0 190/25 धारा 36(च) आब0 एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। उसी दिन मुखबीर सूचना मिला कि वार्ड क्र0 17 में आरोपी द्वारा अपने घर के बाहर शराब ?बिक्री कर रहा है कि सूचना पर मौके पर रेड कार्यवाही आरोपिया नेमीन बाई साहू पति स्व0 संतराम साहू उम्र 49 वर्ष सा0 वार्ड क्र0 17 कोण्डे पावर हाउस राजहरा के कब्जे से 10 पौवा देशी प्लेन शोले शराब एवं शराब बिक्री रकम 200 रुपये जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 192/2025 धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

26 जून को मुखबीर से सूचना मिला कि देशी शराब दुकान से रेल्वे लांबी के सामने रोड वार्ड क्र0 26 की ओर की से एक व्यक्ति अवैध रूप से अधिक मात्रा में शराब लेकर आ रहा है कि मौके पर रेड कार्यवाही कर आरोपी प्रमोद कुमार सिन्हा पिता मनिंक लाल उम्र 28 साल सा0 दोरबा थाना खड़गांव जिला मोहला मानपुर अम्मागढ चौकी के कब्जे से एक लालयेलोन थैला में रखे 32 पौवा देशी शोले प्लेन शराब को जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र0 195/25 धारा 34(2)आबकारी एक्ट के तहत तहत कार्यवाही किया गया। 27 जून को टाउन पेट्रोलिंग पर जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि सब्जी मार्केट राजहरा में ओम बाई अपने होटल में शराब पीने पिलाने की सुविधा प्रदान करा रहे कि सूचना पर रेड कार्यवाही आरोपीया ओम बाई

पति स्व0 राजेन्द्र साहू उम्र 55 वर्ष सा0 वार्ड क्र0 22 मछली मार्केट राजहरा के होटल में शराब पीलाने की सुविधा प्रदान करते रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपिया के विरुद्ध अपराध क्र0 196/2025 धारा 36(सी) आब0 एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

मुखबीर से सूचना मिला कि सब्जी मंडी चिखलाकसा में एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब ?बिक्री कर रहा है कि सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी मोहनोश राजाभोज ?पिता स्व0 शैलेन्द्र राजा भोज उम्र 34 साल सा0 वार्ड क्र0 3 कुसुमकसा के कब्जे से एक ? थैला में 20 नग देशी प्लेन शोले शराब एवं बिक्री रकम 200 रुपये जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र0 197/2025 धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत तहत कार्यवाही किया गया एवं वार्ड क्र0 27 बोगदा पुलिया के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब ? ?बिक्री कर रहा है कि सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी बिहारी लाल चतुर्वेदी पिता स्व0 मेहतर चतुर्वेदी उम्र 45 वर्ष सा0 वार्ड क्र0 17 कोण्डे पावर हाउस राजहरा के कब्जे से एक मटयैला रंग के थैला में 20 नग देशी प्लेन शोले शराब एवं बिक्री रकम 200 रूपये जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र0 198/2025 धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। एक व्यक्ती सब्जी मंडी रोड चिखलाकसा की ओर से अवैध पर शराब परिवहन कर रहा है कि सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी विजय सिंह राजपूत पिता टिकेन्द्र सिंह राजपूत उम्र 38 वर्ष सा0 वार्ड क्र0 6 शिव वार्ड चिखलाकसा थाना राजहरा थाना राजहरा जिला बालोद (छ.ग.) के कब्जे से एक थैला में रखे 11 पौवा देशी रोमियों प्लेन शराब एवं 3 अर्धो देशी प्लेन शोले शराब को जप्त किया गया।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-बालोद (छ.ग.)

// त्तीय निविदा सूचना //	
क्रमांक/आब./निविदा/2025/2630	बालोद, दिनांक 25/06/2025
सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि शासन के निर्देशानुसार दल्लीराजहरा नगर पालिका परिषद क्षेत्र में प्रीमियम रेंज की विदेशी मदिरा विक्रय हेतु एक प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकान / भवन उपयुक्त स्थल पर किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार, निविदा शर्तों के अधीन तकनीकी निविदा एवं वित्तीय निविदा के बंद लिफाफे, एक बड़े लिफाफे में रख कर बंद लिफाफा दिनांक 07.07.2025 को दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी. एल. जिला-बालोद में जमा कर सकेंगे। निर्धारित समयवधि के पश्चात् प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी निविदा उसी दिन सायं 04:00 बजें निविदा मूल्यांकन हेतु गठित समिति के समक्ष खोला जावेगा।	
निविदा के नियम/शर्तों की जानकारी एवं निविदा प्रपत्र, जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी. एल. जिला-बालोद के पक्ष में देय राशि रु 1180/- (अक्षरी एक हजार एक सौ अस्सी रु.) (जी.एस.टी.सहित) का बैंक ड्राफ्ट (किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी) जमा कर कार्यालयीन कार्यदिवस में कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला-बालोद से प्राप्त किया जा सकता है।	
(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)	
जिला आबकारी अधिकारी हेतु कलेक्टर जिला-बालोद (छ.ग.)	
जी-252601856/4	

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा शीतला मंदिर के पास सिंधौरी, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

E-mail Id- eeres.bemetara@gmail.com	Phone No. 07824222332
क्र..../1175/का.अभि/वलेलि/प्रा.यां. सेवा/2025- 26	बेमेतरा, दिनांक 25/06/2025
संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 05 (प्रथम बार)	
छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) द एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु मुख्य अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा निर्माण एवं संधारण कार्य हेतु दर अनुसूची जो दिनांक 01.11.2021 एवं द्युब वेल कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दिनांक 01.06.2020 में प्रचलित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर विकासखण्ड नवागढ़ के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों हेतु स्वीकृत 25.00 लाख लागत तक के निर्माण कार्य हेतु जोन क्र. - 01 एवं जोन क्र. -02 तक एवं विकासखण्ड बेमेतरा हेतु जोन क्र. 01 एवं जोन क्र. - 02, विकासखण्ड सांजा हेतु जोन क्र. 01 एवं जोन क्र. - 02 तथा विकासखण्ड बेरला हेतु जोन क्र. 01 एवं जोन क्र. - 02 अनुमानित लागत प्रत्येक जोन हेतु 35.00 लाख रुपये का जोनल ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।	
अंतर्गत निविदा की समस्त शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 26.06.2025 से देखी/डाउनलोड की जा सकती है एवं निविदा प्रप्ती की अंतिम तिथि 10.07.2025 तथा निविदायें दिनांक 15.07.2025 को अपराह्न 12:00 बजे खोली जावेगी।	
जी-252601820/2	
(राहुल कश्यप) कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बेमेतरा जिला-बेमेतरा (छ.ग.)	



संक्षिप्त-खबर

अहिंवारा पालिका ने 15 साल से ङप कचरे का किया निपटान



होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिंवारा । वार्ड क्रमांक 07 निवासी कुलेश्वर दास जो मानसिक रूप से विछिन्न है, उसने अपने घर की बाड़ी में पिछले 15 वर्ष से थोड़ा-थोड़ा कचरा अहिंवारा क्षेत्र के विभिन्न इस्थानों से लाकर एकट्ठा करके रखा था जिस वजह से कचरे का पहाड़ बन गया था और उससे काफी बदबू आ रही थी और वार्ड वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था कचरे की वजह से जहरीले सांप बिच्छू और अन्य जीवों का खतरा बना हुआ था जिससे वहां भय का माहौल बना रहता था.... इस मामले को पार्षद ने अन्य वार्ड वासियों द्वारा नगर पालिका सीएमओ अंकुर पांडे और नगर पालिका अध्यक्ष श्री विद्यानंद कुशवाहा जी को बताया गया कचरे के निपटान के लिए नगर पालिका सीएमओ अंकुर पांडे और अध्यक्ष श्री विद्यानंद कुशवाहा जी ने त्वरित कार्यवाही करते हुए लगभग 18 हाइवा कचरा निकाल कर उसका निपटान किया और जो जहरीले जीव जंतुओं के काटने का भय बना हुआ था उसे खतम किया7 इस कार्यवाही के लिए वार्डवासियों ने आभार व्यक्त किया, कार्यवाही में नगर पालिका सीएमओ अंकुर पांडे,नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा,वार्ड 07 पार्षद श्रीमती कीर्ति शिवाले,समाज सेवी राजा शिवाले, समाज सेवी श्री भगेलाराम साहू जी, नगर पालिका कर्मचारी बरना बास वे अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

करणी कृपा पावर प्लांट को बंद कराने, जनप्रतिनिधियों की जन आन्दोलन के लिए सुलगती आवाजें

महासमुंद (समय दर्शन) । महासमुंद कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विनय कुमार लंगेह के गठित जिला स्तरीय संयुक्त जांच टीम द्वारा मेसर्स करणी कृपा पाँवर प्रा0लि0 ग्राम खैरझिटी निरीक्षण के दौरान बहुत सारे विभागों के द्वारा पाई गई अनेकों अनियमितताएं, ऐसे अवैध करणी कृपा पावर प्लांट को भाजपा के सक्रिय सदस्य व किसान नेता अशवंत तुषार साहू ने तत्काल बंद करने की मांग कलेक्टर महोदय से किया और अपने प्रेस विज्ञप्ति में

कहा कि, निरीक्षण के दौरान औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बलौदाबाजार द्वारा जांच में सुरक्षा उपकरण के बगैर कर्मचारी कार्यरत मिले हैं । जिसके कारण लगातार वहां मौत का खेल खेला जा रहा है ? इस पर प्रबंधन को नोटिस जारी किया जा रहा है। श्रम विभाग द्वारा जांच में ओवर टाईम कार्य लिया जाना पाया गया। ठेकेदारों को नोटिस जारी किया जा रहा है। अन्तर्राज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम अंतर्गत अनुज्ञप्ति लिया



जाना नहीं पाया गया। इस पर भी ठेकेदारों को नोटिस जारी किया जा रहा है। कई अनियमितता पाई गई। डम्प रेत का रायल्टी पच्ची उपलब्ध

नहीं कराया गया। प्रबंधन को 03 दिवस के भीतर रायल्टी पच्ची प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिया गया। परिवहन विभाग द्वारा जांच में प्लांट के अन्दर पाई गई समस्त गाड़ियों अंडरलोड पाई गई। विगत दिनों का वे-ब्रीज का विवरण प्रस्तुत किया गया। उनमें भी समस्त गाड़ियां अंडरलोड पाई गई। पर्यावरण विभाग द्वारा जांच में पाई गई कमियों के संबंध में प्रबंधन को पृथक से नोटिस जारी किया जा रहा है। शासन प्रशासन नोटिस नोटिस

का खेल खेलना बंद करें। जब एक अवैध करणी कृपा पावर प्लांट मे इतने सारे विभागों के द्वारा जांच में निरीक्षण के दौरान पाई गई अनेकों विभागों के द्वारा जांच में निरीक्षण के दौरान पाई गई । अनेकों अनियमितताएं तो तत्काल अवैध प्लांट को बंद कर देना चाहिए आखिर किसके संरक्षण पर यह अवैध कृपा पावर प्लांट चल रहा है इतने सारे कमी होने के बाद भी जनहित को देखते हुए तत्काल बंद कर देना चाहिए।

बसना नगर मे जगन्नाथा महाप्रभु जी की रथयात्रा मे जुटे हजारों श्रद्धालु



बसना (समय दर्शन) । महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना विकासखण्ड मुख्यालय मे श्री राम जानकी मंदिर स्थित भगवान जगन्नाथ महाप्रभु जी मंदिर से रथयात्रा प्रतिवर्षानुसार श्रद्धा के साथ निकाली गयी । श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना के सभी सदस्यों एवं नगर व क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु , भक्त वृन्द शामिल हुए । रथयात्रा के पावनअवसर पर मध्याह्न 02:00 बजे जगन्नाथ महाप्रभु जी के मंदिर में अर्चक पुरोहित किशोर दास,संदीप शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोपचार से विशेष पूजन का कार्यक्रम संपादित करवाया । आरती पूजन पश्चात् श्री रामजानकी मंदिर समिति के सदस्यों की

उपस्थिति एवं गाहक बाहों,कीर्तन दल के नृत्य-गान तथा शंख, घंट एवं जगन्नाथ भगवान की जयघोष के साथ विधि विधान से भगवान जगन्नाथ महाप्रभु, बलभद्र एवं सुभद्रा की मूर्ति को रथ मे आरूढ़ कराया गया। मंदिर परिसर से थाना के मुख्य गेट होकर नगर के मुख्य मार्ग होते हुए नगर भ्रमण पश्चात मण्डी परिसर मे रथयात्रा का ठहराव पश्चात बालिका कीर्तन दल की मनमोहक प्रस्तुति के बीच बसना नगर सहित क्षेत्र के हजारों लोगों ने भगवान जगन्नाथ महाप्रभु जी का पुण्य दर्शन लाभअर्जित कर प्रसाद ग्रहण किया । भगवान जगन्नाथ महाप्रभु जी की रथयात्रा के पावन दिवस पर बड़ी दूर दूर से श्रद्धालु बसना के रथयात्रा मे



भाग लेने पहुंचे हुए थे। मण्डी प्रांगण से लेकर पदमपुर रोड व चौक चौराहों मे लोगों के आवाजाही का गहमा गहमी बना रहा। लोगों की भीड़ को सुव्यवस्थित करने चौक चौराहों मे बसना पुलिस भीड़ नियंत्रण मे लगी रही। इस दौरान थाना प्रभारी नरेन्द्र महाडीर स्टाफ के साथ रथयात्रा कीअनुवाई कर रहे थे। भक्तों द्वारा रथ को खींचकर देर शाम पुनः भगवान जगन्नाथ महाप्रभु,बलभद्र एवं सुभद्रा मौसी घर थाना परिसर स्थित मंदिर पहुंची । इस दौरान श्री रामजानकी मंदिर समिति बसना के संरक्षक आनंद मदनानी, राधे अग्रवाल,रमेश अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक जोशी,तरूण दास,जयनारायण

अग्रवाल, सचिव अभय धृतलहरे, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल,निर्मल दास, राजेन्द्र बबलू अग्रवाल, रतनलाल अग्रवाल ,जगदीश दास,भगतराम वाधवा,जयन्तीलाल अग्रवाल,बलदेव मिश्रा,जयन्त चौब्लाण,कामेश बंजारा, विकास वाधवा, कैलाश राणा, सुरेश सोनी,नरेश राणा, अनिता रामचंद्र अग्रवाल,शौव अग्रवाल,सुमंत महाराज,डा.गजानन अग्रवाल, दिनेश डडसेना,मनोज अग्रवाल,बसंत देवता,दीनू अग्रवाल, पुरुषोत्तम पटेल, श्यामलाल अग्रवाल,अनिल अग्रवाल, राकेश गुप्ता, मुकेश जोशी, रितेश अग्रवाल,संजय अग्रवाल, दिनेश साहू,खुलाराम यादव एवं हजारों श्रद्धालु भक्त वृन्द उपस्थित रहे।

80 लाख के गांजा के साथ नशे का सौदागर गिरफ्तार



- गाँजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही
- शांतिर तरीके से हो रही थी तस्करी

महासमुंद व्यूरो (समय दर्शन) । महासमुन्द जिले मे अवैध मादक पदार्थ गाँजा तस्करी के खिलाफ महासमुंद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 400 किलो गाँजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जब्त गांजे की कीमत 80 लाख रुपए बताई जा रही है। यह मामला सिंचोड़ा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, तस्कर

कंटेनर वाहन क्रमांक HR 55 W 4389 में एक विशेष चेम्बर में 16 नग प्लास्टिक की बोरी में गाँजा रखा हुआ था। एक बोरी में 25 किलो गाँजा था, जिसे बालीगुड़ा ओड़िशा से इंदौर मध्यप्रदेश ले जा रहा था। पुलिस ने एनएच 53 पर सिल्ली ढाबा के पास गाँजा तस्कर को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उनका चुनबाद आरओड़ा है और वह बादा उत्तरप्रदेश का रहने वाला है। सिंचोड़ा पुलिस ने आरोपी से 400 किलो गाँजा, एक कंटेनर वाहन जब्त कर नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

हिंसा से उबर कर अब बदलाव की राह पर बस्तर

तीन दशकों के आतंक और दहशत का खत्म हो रहा दौर, छत्तीसगढ़ में तेजी से सिमट रहा नक्सली हिंसा का दायरा



लाल आतंक के खत्मे के लिए नक्सलियों के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई जोर-शोर से जारी है, जिसका परिणाम है कि नक्सलियों की कमर अब टूट गई है। प्रदेश से जब तक नक्सली हिंसा और उग्रवाद का अंत नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे।

-श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

नक्सल घटनाओं में हुई क्षति

नक्सली और जवानों के बीच मुठभेड़	नक्सल घटना में मारे गए सिविलियन	आईईडी के कारण मारे गए लोगों की संख्या	आगजनी की घटना	सड़क निर्माण मे लगे वाहन जलाए	स्कूल, अस्पताल व अन्य शासकीय भवन तोड़े
(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)
3,458 209	1,941 89	135 12	767 20	2,057 27	208
शहीद जवानों की संख्या	घायल सिविलियन की संख्या	आईईडी के कारण घायल लोगों की संख्या	सड़क निर्माण में लगे पोकेलेन जलाए	पुल-पुलिया तोड़े	मोबाइल टावर उड़ाए
(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक) (दिसंबर 2023 से अब तक)
1,473 44	759 24	287 19	149	220 8	34 11

बस्तर के इतिहास में लाल रंग में दर्ज हैं यह तारीखें

28 फरवरी 2006 दरभगुड़ा, जिला- सुकमा	24 मार्च 2006 संगम, जिला- सुकमा	25 अप्रैल 2006 मनीकोटा, जिला- सुकमा	16 जुलाई 2006 एराबोर, जिला- सुकमा	15 मार्च 2007 रानीबोदली, जिला- बीजापुर	16 नई 2010 सिगावरम, जिला- सुकमा	6 अप्रैल 2010 ताड़मेटला, जिला- सुकमा	29 जुल 2010 राकस नाला, जिला- नारायणपुर	9 जुलाई 2007 शेरागुहा, जिला- सुकमा	24 अप्रैल 2017 चिंतागुहा, जिला- सुकमा
ग्राम दोरनापाल में आयोजित सलवा जुद्धम जन जागरण अभियान से 4 ट्रकों में कोटा के ग्रामीण अपने अपने गांव वापस हो रहे थे, कि एराबोर थाना क्षेत्र के ग्राम दरभगुड़ा के समीप नक्सलियों द्वारा बारूदी सुरंग विस्फोट किया गया, जिसमें 28 ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में अन्य 27 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हुए थे। 3 ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया था।	थाना परखानूर क्षेत्र के ग्राम संगम में साप्ताहिक बाजार से ग्रामीण बाजार कर जीप से परखानूर लौट रहे थे। इसी दौरान घोडागांव एवं संगम गांव के मध्य नक्सलियों द्वारा बम विस्फोट कर जीप को उड़ा दिया गया। इस घटना में 13 ग्रामीणों की मौत हो गई और 4 ग्रामीण घायल हुए थे।	थाना दोरनापाल के राहत शिविर में रह रहे ग्राम मनीकोटा के 50-60 ग्रामीण सामान लेकर वापस आ रहे थे, कि नक्सली उन्हें अगुआ कर पकड़ ले गए। नक्सलियों ने इनमें से 15 ग्रामीणों की हत्या कर दी थी।	थाना एराबोर राहत शिविर कैप में अज्ञात लगभग डेढ़ हजार नक्सली व संचम सदस्यों द्वारा गोलीबारी के साथ हमला कर दिया। नक्सलियों द्वारा 220 घरों को आग के हवाले कर दिया था, जिससे राहत शिविर से अंधाधुंध गोली-बारी की गई, जिससे कैम्प तबाह हो गया और वहां तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 9वीं वाहिनी सी कम्पनी कैम्प के घायल ग्रामीणों में से 3 ने ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया।	नेशनल पार्क दलम के नक्सली कमाण्डर व करीब 500 अन्य नक्सलियों ने हथियार लुटने की नीयत से रानीबोदरी में सुरक्षा बलों के कैम्प पर सशस्त्र हमला किया। स्वचलित अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोली-बारी की गई, जिससे कैम्प तबाह हो गया और वहां तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 55 जवान शहीद हो गए थे।	सुकमा से जिला पुलिस बल एवं चिंतलनार में तैनात 62 वीं वाहिनी सीआरपीएफ के बी कंपनी द्वारा एरिया डोमिनेशन व नक्सली गश्त सर्चिंग अभियान के दौरान ताड़मेटला पहाड़ी जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। निशाना बनाया गया जिसमें पुलिस जवान सवार थे। घटना में 11 आरक्षक, 1 एसएसबी बेटनरी फ़िल्ड असिस्टेंट व 4 एसपीओ शहीद हो गए थे। इस घटना में 15 निंदोष ग्रामीण भी मारे गए।	कैम्प थोड़ाई से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की पार्टी रोड ओपनिंग हेतु ग्राम द्वारा की ओर से वापस आ रही थी। इसी समय राकस नाला के पास पूर्व से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने हथियार लुटने की नीयत से अंधाधुन्ध फायरिंग की। कैम्प से अन्य पार्टी रवाना हुई थी, पुलिस पार्टी द्वारा भी तत्काल पोजिशन लेते हुए फायर का जवाब दिया गया। इस घटना में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 27 जवान शहीद हो गए थे।	ग्राम दोरनापाल में तैनात 62 वीं वाहिनी सीआरपीएफ एवं एसपीओ के साथ 1 जवान संयुक्त बल रोड निर्माण लिए रवाना हुई थी कि, एराबोर से ओर रवाना हुए थे। इसी बीच उत्पलमेटा पहाड़ी के पास नक्सली व पुलिस पार्टी के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान जिला बल के 2 जवान, 6 एसपीओ व सीआरपीएफ के 15 कुल 23 जवान शहीद हुए। 2 सीआरपीएफ 74 वाहिनी के 25 सीआरपीएफ जवान व 5 एसपीओ घायल हुए।	थाना एराबोर से जिला बल, सुरकापाल कैम्प से सीआरपीएफ 71 जवान और जिला बल का 1 जवान संयुक्त बल रोड निर्माण लिए रवाना हुए थे। इसी बीच 12-15 किलोमीटर दूरी पर करीब 200-250 हथियार बंद नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के हमला कर दिया। सुरक्षा बलों व द्वारा जवाबी कार्यवाही की गई, लेकिन दुर्भाग्यवश घटना में जवान शहीद हुए। 2 सीआरपीएफ 74 वाहिनी के 25 सीआरपीएफ जवान व 5 एसपीओ घायल हुए।	थाना एराबोर से जिला बल, सुरकापाल कैम्प से सीआरपीएफ 71 जवान और जिला बल का 1 जवान संयुक्त बल रोड निर्माण लिए रवाना हुए थे। इसी बीच 12-15 किलोमीटर दूरी पर करीब 200-250 हथियार बंद नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के हमला कर दिया। सुरक्षा बलों व द्वारा जवाबी कार्यवाही की गई, लेकिन दुर्भाग्यवश घटना में जवान शहीद हुए। 2 सीआरपीएफ 74 वाहिनी के 25 सीआरपीएफ जवान व 5 एसपीओ घायल हुए।